संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -242 मंगलवार ,04 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

लालू परिवार पर फिर छाये संकट के बादल

राबड़ी-तेजस्वी समेत कई के खिलाफ सीबीआई ने दाखिल की चार्जशीट

» केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है

» आरोप पत्र में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और कंपनियों समेत कई अन्य लोगों के नाम आरोपी के तौर पर शामिल हैं

पटना,03 जुलाई 2023(ए)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोप पत्र में बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और कंपनियों समेत कई अन्य लोगों के नाम आरोपी के तौर पर शामिल हैं। नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित मामले में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव और कई अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है।

दरअसल, सीबीआई की ओर से कोर्ट में कहा गया था कि वह कोर्ट की छुट्टी के बाद अपना पूरक आरोप पत्र दाखिल करेगी, जिसके बाद कोर्ट की ओर से कहा गया कि इस मामले में अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी।

सीबीआई ने पुख्ता तथ्यों को चार्जशीट में शामिल करने के लिए मांगा था अतिरिक्त समय

अदालत ने सीबीआई से कहा था कि एजेंसी की ओर से मामले में लगातार देरी स्वीकार्य नहीं है। इस पर सीबीआई ने जवाब दिया था कि इस मामले में अभी भी जांच चल रही है और उन्हें नए तथ्यों को शामिल करने के लिए कुछ और समय चाहिए, जों सके बाद आज सोमवार को सीबीआई ने चार्जशीट दाखिल की है।

लालू परिवार से सीबीआई ने मांगा था संपत्ति का ब्योरा

इससे पहले मई में रेलवे में नौकरी के बदले जमीन मामले की जांच के क्रम में सीबीआइ ने लालू परिवार के सभी सदस्यों के नाम से खरीदी गई संपत्ति का ब्योरा मांगा था।

साल 2004 से 2009 तक तत्कालीन रेल मंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, उप मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद, मंत्री तेजप्रताप एवं मीसा भारती समेत लालू की सभी सात बेटियों के नाम से खरीदी, गिफ्ट की गई या लीज पर दी गई अचल संपत्ति का विवरण मांगा गया था। बता दें कि सीबीआई के पुलिस अधीक्षक, आर्थिक अपराध इकाई ने राज्य के निबंधन महानिरीक्षक (आइजी) को पत्र भेजकर यह ब्योरा उपलब्ध कराने के लिए कहा था।

इसके तहत सहायक निबंधन महानिरीक्षक मनोज कुमार संजय ने राज्य के सभी जिला अवर निबंधक एवं अवर निबंधक को निर्देश भी जारी किए थे। इसमें सभी विवरण सीधे सीबीआई के पुलिस अधीक्षक को भेजने के लिए कहा गया था।

पार्टी में उथल-पुथल मचने पर एक्शन मोड में शरद पवार

» पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल की सदस्यता की रद

» एनसीपी में दरार के बाद शरद पवार आज कराड में करेंगे रैली

» एनसीपी ने बागी अजित पवार और 8 अन्य विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की

» बागियों को अयोग्य करार करवाने के लिए पार्टी ने विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को पत्र भेजा

मुंबई,03जुलाई 2023(ए)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से बागी हुए अजित पवार पर अब शरद पवार एक्शन लेने के मूड में आ गए हैं। एनसीपी ने बागी अजित पवार और 8 अन्य विधायकों को अयोग्य घोषित करने के लिए विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को पत्र भेजा है।

इसी के साथ चुनाव आयोग को एक मेल भी भेजा गया है, जिसमें कहा गया है कि एनसीपी की बागडोर इस समय पार्टी प्रमुख शरद पवार के हाथ में ही है।

बता दें कि बीते दिन एनसीपी नेता अजित पवार अपने समर्थन वाले 40 विधायकों के साथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे। अजित ने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम पद की शपथ भी ली। इसके साथ ही 8 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

एनसीपी से बागी हुए अजित पवार को 24 घंटे के अंदर लगा बड़ा झटका, सांसद अमोल कोल्हे ने बदला अपना मन

महाराष्ट्र की राजनीति में उठा बवंडर थमने का नाम नहीं ले रहा। एनसीपी से बागी हुए अजित पवार को 24 घंटे के अंदर ही बड़ा झटका लग गया है। बता दें कि बीते दिन उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए सांसद अमोल कोल्हे ने अब अपना मन बदल लिया है। अमोल ने कहा कि वे शरद पवार का साथ कभी नहीं छोड़ सकते।

सांसद अमोल ने कहा कि कल जो हुआ वो जनता के साथ दोखा था। उन्होंने बताया कि अजित उन्हें और अन्य नेताओं को बगैर बताए शपथ ग्रहण समारोह में ले गए थे। अमोल ने कहा कि वे शरद पवार के साथ हैं और इसको लेकर कल शरद पवार से भेंट करेंगे।

दूसरी ओर शरद पवार ने भी कहा कि उनके भतीजे अजित पवार की बगावत को उनका आशीर्वाद प्राप्त नहीं है। पवार ने कहा कि यह कहना एक तुच्छ बात होगी। केवल कम बुद्धि वाले लोग ही ऐसा कह सकते हैं। वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने अजित पवार और 8 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू करने के लिए राज्य अनुशासन समिति के प्रस्ताव के संबंध में पत्र भेजा।

राजनीतिक दलों को अब ऑनलाइन दर्ज करना होगा अपना वित्तीय लेखा-जोखा

» चुनाव आयोग ने शुरू किया पोर्टल

नई दिल्ली ,03 जुलाई 2023 (ए)। राजनीतिक दलों को अब लेन-देन का लेखा जोखा ऑनलाइन दर्ज करना होगा। इसके लिए चुनाव आयोग ने सोमवार को एक ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की। सभी राजनीतिक पार्टियों को अपने वित्तीय विवरण की जानकारी इस पोर्टल पर देनी होगी। वित्तीय विवरण के साथ ही राजनीतिक पार्टियों को चुनाव खर्च और पार्टी को मिलने वाले आर्थिक योगदान की भी जानकारी देनी होगी। देश में चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने इस ऑनलाइन पोर्टल की शुरुआत की है।

बताया जा रहा है कि, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार बीते एक साल से इस पोर्टल पर काम कर रहे थे। यह पोर्टल चुनाव आयोग की 3ष्ट रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत राजनीतिक फंडिंग और खर्च में पारदर्शिता और जवाबदेही मजबूत रखने के लिए सफाई, अवैध फंडिंग पर कार्रवाई और नियमों का अनुपालन शामिल है। बता दें कि जो राजनीतिक पार्टियां अपने वित्तीय विवरण का ब्योरा नहीं पेश करेंगी, उन्हें इसका लिखित में कारण बताना होगा। साथ ही सीडी और पैन ड्राइव के साथ तय फॉर्मेट में रिपोर्ट फाइल करनी होगी।चुनाव आयोग सभी रिपोर्ट्स को ऑनलाइन प्रकाशित करेगा।

अब निर्माण श्रमिकों को भी मिलेगी पेंशन

» केंद्र सरकार जारी करेगी नेशनल कार्ड

नई दिल्ली,03 जुलाई 2023 (ए)। केंद्र सरकार असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों को पेंशन देने के लिए राष्टीय स्तर का कार्ड जारी करने की योजना बना रही है। केंद्र सरकार ने निर्माण और गृह निर्माण श्रमिकों (बी ओ सी डब्ल्यू) के लिए चलाई जा रही योजनाओं का दायरा बढ़ाने की तैयारी कर ली है।

बीओसीडब्ल्यू फंड में उपलब्ध धनराशि का उपयोग लाखों असंगठित श्रमिकों को पेंशन और अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाएं प्रदान करने के लिए किया जा सकता है। राज्य सरकारों के पास 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बची हुई है जिसे अब तक खर्च नहीं किया गया है।

दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास के ऊपर उड़े ड्रोन से मचा हड़कंप

» एक्शन में एसपीजी और पुलिस

नई दिल्ली ,03 जुलाई 2023 (ए)। प्रधानमंत्री के आवास के ऊपर सोमवार सुबह ड्रोन देखे जाने की खबर हैं। पीएम मोदी का आवास नो फ्लाइंग जोन और नो ड्रोन जोन के तहत आता है। ऐसे में यहां ड्रोन देखे जाने की सूचना से हड़कंप मच गया है। घटना सुबह साढ़े 5 बजे की बताई जा रही है। पीएम मोदी की सुरक्षा में लगे स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रूप ने तुरंत इस मामले में पुलिस को जानकारी दी जिसके बाद पुलिस ने एक्शन में आते हुए सर्च ऑपरेशन शुरू किया और ड्रोन की जांच में जुट गई।

पुलिस की जांच लगातार जारी है लेकिन काफी मशक्कत के बाद भी अभी तक पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा है। दिल्ली पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें पीएम आवास के ऊपर नो फ्लाइंग जोन में ड्रोन उड़ने की जानकारी मिली थी। एसपीजी ने सुबह 5.30 बजे पुलिस से संपर्क किया। मामले की जांच जारी है।

आईएस आतंकी मामले में एनआईए द्वारा ताबड़तोड़ एक्शन

» यूपी और मुंबई में कई जगहों पर एनआईए की रेड,4 हिरासत में

नई दिल्ली,03 जुलाई 2023 (ए)।राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आईएस (इस्लामिक स्टेट) साजिश से संबंधित एक मामले के सिलसिले में पुलिस और खुफिया एजेंसियों की मदद से मुंबई और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर छापेमारी कर रही है।

सूत्रों ने बताया कि चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। लेकिन अभी तक एनआईए ने इस मामले पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति की पहचान जुबैर शेख के रूप में की गई है। सूत्र ने बताया कि उसके कब्जे से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किये गये हैं। सूत्रों ने कहा कि जुबैर को पुणे से हिरासत में लिया गया था और वह शिमोगा (कर्नाटक) मॉड्यूल से भी जुड़ा था।

मुंबई में एनआईए और मुंबई पुलिस की संयुक्त टीम मुंबई और पुणे में चार स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही है। इनमें से एक छापेमारी वजीर कैस्केड सोसाइटी में की गई, जो कोंढवा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आती है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि छापे के बाद इस्लामिक स्टेट (आईएस) से जुड़े चार व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है।

सूत्र ने कहा, वे अपनी संदिग्ध गतिविधियों के कारण 2021 से हमारे रडार पर हैं। तलाशी के दौरान आरोपियों और उनके घरों से डिजिटल डिवाइस सहित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई है। सूत्र ने कहा कि मॉड्यूल के एक सदस्य ताबिश (मुंबई) को हिरासत में लिया गया, जिसने इस्लामिक स्टेट (आईएस) के प्रति निष्ठा की शपथ ली थी और आईएस की प्रचार पत्रिका 'वॉयस ऑफ हिंद' में लेख भी लिखा था। सूत्र ने बताया कि छापेमारी अभी भी जारी है।

बंगाल में चुनाव पूर्व हिंसा

» हराओ बम विस्फोट में एक की मौत

कोलकाता ,03 जुलाई 2023 (ए)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हराओ में सोमवार को एक बम विस्फोट में स्थानीय युवक परितोष मंडल की मौत हो गई। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि युवक हावड़ा के शालीपुर इलाके में एक सुनसान जगह पर कच्चे बम बना रहा था। उसके शव को बशीरहाट उपमंडल में पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

जांच से यह भी पता चला है कि एक अन्य व्यक्ति, जो कच्चे बम के निर्माण में मंडल की सहायता कर रहा था, भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने अभी तक घायल व्यक्ति की पहचान उजागर नहीं की है। पश्चिम बंगाल में त्रि-स्तरीय पंचायत प्रणाली के चुनावों के लिए मतदान की तारीखों की घोषणा 8 जून को होने के बाद से 25 दिनों में कुल मौतों की संख्या 13 हो गई है।

दक्षिण 24 परगना जिले में सबसे अधिक चार लोगों के हताहत होने की खबर है। इसी जिले के भांगर में सबसे ज्यादा तीन लोगों के हताहत होने की खबर है। सोमवार सुबह हरोआ में हुई घटना उत्तर 24 परगना जिले में हताहत होने का पहला मामला है।

इस बीच, पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस तृणमूल कांग्रेस के युवा नेता जियारुल मोल्ला के परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए दक्षिण 24 परगना जिले के बसंती जा रहे हैं, जिनकी रविवार सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि मोल्ला की हत्या सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस में आंतरिक कलह का नतीजा है।

हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से तलब की स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली ,03 जुलाई 2023 (ए)। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर में जाति हिंसा को रोकने के लिए उठाए गए कदमों, बेघरों एवं हिंसा प्रभावित लोगों के पुनर्वास शिविर, सुरक्षा बलों की तैनाती एवं प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति के बारे में विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। मामले की सुनवाई अगले सोमवार 10 जुलाई को होगी।

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ दो याचिकाओं पर विचार कर रही थी- एक, मणिपुर ट्राइबल फोरम दिल्ली द्वारा दायर याचिका, जिसमें भारतीय सेना द्वारा कुकी जनजाति की सुरक्षा की मांग की गई; दूसरी, मणिपुर विधानसभा की पहाड़ी क्षेत्र समिति (एचएसी) के अध्यक्ष दिंगांगलुंग गंगमेई द्वारा दायर याचिका, जिसमें मेइतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल करने पर विचार करने के मणिपुर हाईकोर्ट के निर्देश को चुनौती दी गई। गौरतलब है कि मैतेई को एसटी दर्जे से जुड़े मुद्दे के कारण राज्य में दंगे भड़क उठे थे।

अनिल अंबानी से ईडी ने की पूछताछ

» फेमा कानून के उल्लंघन का है मामला

नई दिल्ली ,03 जुलाई 2023 (ए)। उद्योगपति अनिल अंबानी विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम से जुड़ी जांच के सिलसिले में मुंबई में ईडी के अधिकारियों के समक्ष पेश हुए। ईडी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन से जुड़ी एक जांच के सिलसिले में अनिल अंबानी से पूछताछ की गई है। अधिकारियों ने बताया कि अलग-अलग धाराओं के तहत दर्ज मामले में 64 वर्षीय अनिल अंबानी फेमा का बयान दर्ज किया गया है।

2020 में भी हुए थे पेश

इससे पहले यस बैंक के प्रवर्तक राणा कपूर और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में भी अनिल अंबानी ईडी के सामने पेश हो चुके हैं। इस दौरान अनिल अंबानी से करीब 9 घंटे तक पूछताछ हुई थी। तब बताया गया था कि अंबानी की नौ समूह कंपनियों ने यस बैंक से लगभग 12,800 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। इसी से जुड़े मामले को लेकर ईडी ने पूछताछ की थी।

आयकर विभाग ने भी दिया है नोटिस

बता दें कि आयकर विभाग द्वारा काला धन अधिनियम के तहत उद्योगपति अनिल अंबानी को कारण बताओ नोटिस भेजा गया था। इसके साथ ही जुर्माना भी लगाया गया। आयकर विभाग ने कथित रूप से दो स्विस बैंक खातों में रखे गए 814 करोड़ रुपये से अधिक के अघोषित धन पर टैक्स में 420 करोड़ रुपये की कथित चोरी के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि, इसके खिलाफ अनिल अंबानी ने मुंबई हाईकोर्ट का रुख किया। यह मामला कोर्ट में है।

संकट में अनिल अंबानी

बता दें कि रिलायंस समूह के चेयरमैन लंबे समय से आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अनिल अंबानी की कई कंपनियां या तो बिक चुकी हैं या फिर बिक्री की प्रक्रिया में हैं। वहीं, शेयर बाजार में लिस्टेड अनिल अंबानी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर भी बुरी तरह पस्त हो चुके हैं।

संपादकीय

भाजपा नेताओं की बेचैनी बढ़ी

एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं की बेचैनी बढ़ गई है। बुधवार की रात को प्रधानमंत्री आवास पर पार्टी के शीर्ष नेताओं की एक बैठक हुई, जिसके बाद से भाजपा संगठन में और नरेंद्र मोदी की सरकार में बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बुधवार को हुई बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष शामिल हुए। यह बैठक पांच घंटे चली। बताया जा रहा है कि इसमें संगठन में संभावित बदलाव, सरकार में फेरबदल और राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के बारे में चर्चा हुई।

अब सवाल है कि क्या जल्दी ही भाजपा के संगठन और मोदी सरकार में बदलाव होने जा रहा है? प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक के आधार पर ऐसा नहीं कहा जा सकता है। पिछले नौ साल में जिन लोगों ने भी भाजपा की राजनीति को करीब से देखा है वे जानते हैं कि किसी भी फेरबदल से पहले इस तरह का ऐलान नहीं होता है। डंका बजा कर वहां बदलाव नहीं होता है। यह पहले होता था लेकिन नौ साल में सारी प्रक्रिया बदल गई है। जब बदलाव होना होता है तब हो जाता है और किसी को पता नहीं चलता है।

भारतीय जनता पार्टी के नेता खुद कहते हैं कि संगठन या सरकार में क्या बदलाव होना है यह सिर्फ दो लोग यानी नरेंद्र मोदी और अमित शाह को पता होता है। इसलिए यह मानना थोड़ा मुश्किल है कि प्रधानमंत्री मोदी इस तरह से पंचायत बैठा कर बदलाव के बारे में विचार करेंगे। ध्यान रहे पिछले दिनों अमित शाह, नड्डा और संतोष ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के अरुण कुमार के साथ भी बैठक की थी। अरुण कुमार भाजपा और संघ के बीच समन्वय का काम देखते हैं। उन्होंने भाजपा के तीन शीर्ष नेताओं के साथ जमीनी फीडबैक शेयर किया था। तब भी खबर आई थी कि जल्दी ही सरकार और संगठन में बदलाव हो सकता है। लेकिन अब उस मीटिंग के भी एक महीने होने जा रहे हैं।

बहरहाल, प्रधानमंत्री के साथ भाजपा के बाकी शीर्ष नेताओं की बैठक संगठन के कामकाज से जुड़ी हो सकती है और यह भी संभव है कि इसमें राज्यों में होने वाले चुनाव को लेकर चर्चा हुई हो। लेकिन इसकी संभावना कम है कि संगठन और सरकार में बदलाव के बारे में फैसला इस बैठक में हुआ हो। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि सरकार और संगठन में बदलाव नहीं होगा। संभव है कि जल्दी ही भाजपा कुछ राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्त करे और नड्डा के संगठन में भी नए पदाधिकारी बनाए जाएं। कुछ प्रभारियों की नियुक्ति की भी चर्चा है और नरेंद्र मोदी सरकार में भी फेरबदल हो सकता है। उसका फैसला पंचायत बैठा कर नहीं किया गया होगा। मोदी और शाह अपनी रणनीति के हिसाब से बदलाव करेंगे।

उठो,जागो और तब तक नहीं रुको जब तक मंजिल प्र्राप्त न हो जाये

इस सुविचार को समाज के समक्ष रखने वाली भारतवर्ष की एक महान हस्ती स्वामी विवेकानंद के बारे में जानना आजकल की पीढ़ी के लिए बहुत जरूरी है। एक संत सा जीवन जीते समाज को बहुत सारे सुंदर विचार दे गए। मात्र 25 वर्ष की आयु में नरेंद्र दत्त ने गेरुआ वस्त्र पहन लिए और उन्होंने पैदल ही पूरे भारतवर्ष की यात्रा की।

उनका कहना था जो सत्य है, उसे साहसपूर्वक निर्भीक होकर लोगों से कहो।उससे किसी को कष्ट होता है या नहीं, इस ओर ध्यान मत दो। दुर्बलता को कभी महत्व मत दो। सत्य की ज्योति 'बुद्धिमान' मनुष्यों के लिए यदि अत्यधिक मात्रा में प्रखर प्रतीत होती है, और उन्हें बहा ले जाती है, तो ले जाने दो,वे जितना शीघ्र बह जाएँ उतना अच्छा ही है।

युवा संन्यासी के रूप में भारतीय संस्कृति की सुगंध विदेशों में बिखेरनें वाले स्वामी विवेकानंद साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रखर विद्वान थे। स्वामी विवेकानंद ने योग, राजयोग तथा ज्ञानयोग जैसे ग्रंथों की रचना करके युवा जगत को एक नई राह दिखाई है जिसका प्रभाव पर युगों-युगों तक समाज पर छाया रहेगा।

स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी सन् 1863 को कलकत्ता में हुआ था। इनका बचपन का नाम नरेन्द्रनाथ था। विवेकानंद की बुद्धि बचपन से ही तीव्र थी और परमात्मा को पाने की लालसा भी प्रबल थी। इस हेतु वे पहले 'ब्रह्म समाज' में गये किन्तु वहाँ उनको सन्तोष नहीं हुआ। वे वेदान्त और योग को पश्चिम संस्कृति में प्रचलित करने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना चाहते थे। रामकृष्ण परमहंस की प्रशंसा सुनकर नरेंद्र उनके पास पहले तो तर्क करने के विचार से ही गए थे किंतु परमहंस जी ने देखते ही पहचान लिया कि ये तो वही शिष्य है जिसका उन्हें कई दिनों से इंतजार है। परमहंस जी की कृपा से इनको आत्म-साक्षात्कार हुआ और नरेंद्र परमहंस जी के शिष्यों में प्रमुख हो गए। संन्यास लेने के बाद इनका नाम विवेकानंद हुआ। स्वामी विवेकानन्द अपना जीवन अपने गुरुदेव स्वामी रामकृष्ण परमहंस को समर्पित कर चुके थे।

गुरुदेव के शरीर-त्याग के दिनों में अपने घर और कुटुंब की नाजुक हालत की परवाह किए बिना, स्वयं के भोजन की परवाह किए बिना गुरु सेवा में सतत हाजिर रहे। गुरुदेव का शरीर अत्यंत रुग्ण हो गया था। कैंसर के कारण गले में से थूंक, रक्त, कफ आदि निकलता था। इन सबकी सफाई वे खूब ध्यान से करते थे।

एक बार किसी ने गुरुदेव की सेवा में घृणा और लापरवाही दिखाई तथा घृणा से नाक भौंहें सिकोड़ीं। यह देखकर विवेकानंद को गुस्सा आ गया। उस गुरुभाई को पाठ पढ़ाते हुए और गुरुदेव की प्रत्येक वस्तु के प्रति प्रेम दर्शाते हुए उनके बिस्तर के पास रक्त, कफ आदि से भरी थूकदानी उठाकर पूरी पी गए।

गुरु के प्रति ऐसी अनन्य भक्ति और निष्ठा शायद ही कहीं देखने को मिले। विवेकानंद बड़े स्वप्न द्रष्टा थे। उन्होंने एक नये समाज की कल्पना की थी, ऐसा समाज जिसमें धर्म या जाति के आधार पर मनुष्य-मनुष्य में कोई भेद नहीं रहे। सन् 1893 में शिकागो में विश्व धर्म परिषद् हो रही थी। स्वामी विवेकानन्द उसमें भारत के प्रतिनिधि के रूप में पहुँचे। यूरोप-अमेरिका के लोग उस समय पराधीन भारतवासियों को बहुत हीन दृष्टि से देखते थे। वहाँ लोगों ने बहुत प्रयत्न किया कि स्वामी विवेकानन्द को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही न मिले। एक अमेरिकन प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोड़ा समय मिला किन्तु उनके विचार सुनकर सभी विद्वान चकित हो गये। फिर तो अमेरिका में उनका खूब स्वागत हुआ। वहाँ इनके भक्तों का एक बड़ा समुदाय हो गया। तीन वर्ष तक वे अमेरिका में रहे और वहाँ के लोगों को भारतीय तत्वज्ञान प्रदान करते रहे। उनकी वक्तृत्व-शैली तथा ज्ञान को देखते हुए वहाँ के मीडिया ने उन्हें 'साइक्लॉनिक हिन्दू' का नाम दिया

रवींन्द्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था, ''यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए। उनमें आप सब कुछ सकारात्मक ही पाएँगे, नकारात्मक कुछ भी नहीं। उन्तालीस वर्ष के संक्षिप्त जीवनकाल में स्वामी विवेकानंद जो काम कर गए, वे आनेवाली अनेक शताब्दियों तक पीढ़ियों का मार्गदर्शन करते रहेंगे। 4 जुलाई सन् 1902 को उन्होंने देह त्याग किया। वे सदा अपने को गरीबों का सेवक कहते थे। भारत के गौरव को देश-देशान्तरों में उज्ज्वल करने का उन्होंने सदा प्रयत्न किया।

जीवन के अन्तिम दिन उन्होंने शुक्ल यजुर्वेद की व्याख्या की और कहा-÷एक और विवेकानन्द चाहिये, यह समझाने के लिये कि इस विवेकानन्द ने अब तक क्या किया है। उनके शिष्यों और अनुयायियों ने उनकी स्मृति में वहाँ एक मन्दिर बनवाया और समूचे विश्व में विवेकानन्द तथा उनके गुरु रामकृष्ण के सन्देशों के प्रचार के लिये 130 से अधिक केन्द्रों की स्थापना की। कहाँ है आज समाज को उच्च विचार देकर उपर उठाने वाले संत।

भावना ठाकर भावु
बेंगलोर
कर्नाटक

सामाजिक,आर्थिक समानताओं का क्या ?

सबके लिए समान कानून होने चाहिए और कानून के समक्ष सबको समान होना चाहिए, यह एक आदर्श स्थिति है। लेकिन सबको पता है कि कानूनी समानता या कानून के समक्ष समानता एक मिथक है या एक यूटोपिया है, जिसकी कम से कम भारत में कल्पना नहीं की जा सकती है। फिर भी यह अच्छी बात है कि सबके लिए समान कानून बनाने की पहल हो रही है। 22वां विधि आयोग समान नागरिक संहिता पर लोगों की राय ले रहा है और प्रधानमंत्री सार्वजनिक रूप से इसकी जरूरत बताते हुए इसकी वकालत कर रहे हैं। इस बारे में बहुत कुछ लिखा और कहा जा चुका है। भारत जैसे विविधता वाले देश में तमाम जातीय व धार्मिक समुदायों के साथ समान नागरिक संहिता का कैसे तालमेल बैठेगा और कैसे उसे स्वीकार्य बनाया जाएगा, यह एक बड़ा सरोकार है। लेकिन उससे बड़े सवाल यह है कि कानूनी समानता से आगे क्या? क्या कानूनी समानता से देश में सदियों से बनी दूसरी असमानताएं समाप्त हो जाएंगी?

इस सवाल पर समान नागरिक संहिता को बहस से अलग रख कर ही विचार किया जा सकता है क्योंकि कानूनी समानता की कथित जरूरत को दूसरी असमानताओं के साथ जोड़ने से कई लोगों की भावनाएं आहत होने लगती हैं। इसलिए समान नागरिक संहिता को अलग रखते हैं और बाकी असमानताओं पर विचार करते हैं। क्या किसी भी सरकार के पास कोई आइडिया है कि सदियों से जो सामाजिक असमानता है उसे कैसे दूर करेंगे? शैक्षणिक असमानता को कैसे दूर करेंगे? जन विरोधी सरकारों की नीतियों की वजह से जो आर्थिक असमानता पैदा हुई है और बढ़ती जा रही है उसे कैसे दूर करेंगे? क्या अच्छा नहीं होता है कि सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक विषमता को दूर करने की जरूरत पर पहले नहीं तो कम से कम साथ साथ ही विचार किया जाता? भारत में इन विषमताओं की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसकी एक मिसाल इन दिनों सोशल मीडिया में देखने को मिल रही है। देश की सामाजिक विषमताओं पर विचार करने वाले एक सार्वजनिक बुद्धिजीवी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की एक तस्वीर सोशल मीडिया में साझा की, जिसमें राष्ट्रपति दिल्ली के हौजखास स्थित जगन्नाथ मंदिर के दरवाजे से बाहर खड़े होकर पूजा कर रही हैं। इसी के साथ एक दूसरी तस्वीर भी साझा की गई, जिसमें केंद्र सरकार के मंत्री और दिल्ली के उप राज्यपाल उसी मंदिर में अंदर जाकर पूजा कर रहे हैं और भगवान को छू रहे हैं। हालांकि बाद में मंदिर का संचालन करने वाले श्री नीलांचल सेवा संघ के सचिव रविंद्र नाथ प्रधान की ओर से कहा गया कि मंदिर का नियम है कि सिर्फ यात्रा के समय उसे खोला जाता है और उस समय जो मुख्य अतिथि होता है वह मंदिर के अंदर जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंदिर के अंदर जाने के लिए नहीं कहा, अगर वे कहतीं तो उनको अंदर ले जाया जाता। हो सकता है कि मंदिर का ऐसा नियम हो लेकिन इससे मंदिर प्रवेश को लेकर भारत में जो मान्यताएं हैं उनकी एक फॉल्टलाइन जाहिर हुई है। अनेक मंदिरों में प्रवेश को लेकर कई तरह की पाबंदियां हैं।

अजीत द्विवेदी

परिवारवाद बनाम प्रतिभावान काबिलियत

» **आओ प्रतिभावान को प्रोत्साहन देकर काबिलियत को सर्वोपरि बनाएं**

» **वंशवाद परिवारवाद भाई भतीजावाद से प्रतिभावान काबिलियत के सर्वोपरि सामर्थ्य को क्षति**

» **प्रतिभावान काबिलियत का बाधक भाई भतीजावाद परिवारवाद एक बुराई**

वर्तमान कुछ वर्षों से हमारे पीएम महोदय अपने अनेक जनसभाओं में परिवारवाद और वंशवाद का मुद्दा उठाते हैं और उसको विकास का बाधक बताते हुए आम जनता का ध्यान इस ओर आकर्षित करते रहते हैं, जिसका नतीजा बिहार में एक और महाराष्ट्र में दो बार देखने को मिला है सबसे बड़ी बात तो परिवार की फूट का आश्चर्यजनक नतीजा आज देखने को मिला 2 जुलाई 2023 को जो सारे देश ने देखा इसी तर्ज पर महाराष्ट्र में एक परिवारवाद में कुछ माह पहले ऐसा हो चुका है। सदियों पुराने भारतीय इतिहास के पन्नों में दर्ज वंशवाद परिवारवाद के किस्से राजा महाराजाओं के स्तरपर हम बहुत पढ़ें हैं कि यह फलाने वंशज का है, यह राजशाही परिवार का है जो वर्तमान रूप में कुछ दूसरे रूपों में यह फलाने नेता का रिश्तेदार है, ढिकानें उद्योगपति का रिश्तेदार है, इत्यादि अनेक वंशवाद परिवारवाद से शब्दों की बात होती है। हालांकि मेरा मानना है कि किसी भी परिवार या वंश का उनके किसी भी घरेलू पेशे व्यापार व्यवसाय का अनुसरण करना स्वाभाविक ही है क्योंकि वह मनीषी जीव उसी परिवार में जन्म लेकर बाल्य काल से ही उस पेशे व्यापार व्यवसाय के माहौल में छोटे से बड़ा होता है तो उसका भविष्य हम उसी क्षेत्र में जोड़ने की कोशिश करते हैं, एक उदाहरण के तौर पर अगर कोई एक इंजिनियर, सीए है तो क्या इसी कारण उसके पुत्र को इंजीनियर सीए नही बनने दिया जाएगा ?अगर इंजीनियर का बेटा भी इंजीनियर बने तो वंशवाद को बढ़ावा देने जैसा है क्या ? किसी वकील का बेटा क्या वकालत नही कर सकता है, क्योंकि ये वंश वाद को बढ़ावा देना होगा?? अगर वह अच्छा वकील ही नही है तो उसके पक्षकार ही उसे अपने आप ही ठुकरा देंगे। इसमे वंशवाद कहा से आ टपका ?? ठीक वैसे ही अगर पिताश्री मंत्री था या विधायक था तो बेटे को भी भी मंत्री या विधायक बनने से रोकने वाला कानून देश में या दुनियां मे कहीं नही है। हालांकि राजनीतिक क्षेत्र में आम जनता अपने वोट के बल पर उसे रोक सकती हैं।

साथियों जैसे काबिल न होने पर बड़े नामचीन वकील का बेटा बड़ा वकील नही बन पाता है वैसे ही नेताजी के बेटे नाकाबिल है तो जनता अपने आप ही उसे ठुकरा देगी।सवाल तो क़ाबिलियत का है नकि पिताश्री क्या थे इस बात का है, और व्यवसाय में तो ऐसे ही होता है, उत्तराधिकारी कोई परिवार से ही होता है। वंशवाद अपने आप मे कोई चुनौती नही है। ना ही वंशवाद में कोई बुराई भी है। केवल एक वंश का कोई है इस बात के लिए सही योग्यता है या नही इसे देखे बगैर ही उसे चुनना या उसे किसी भी पद पर बैठाना जरूर गलत है अन्याय और बुराई है।

साथियों बात अगर हम पौराणिक काल के वंशवाद की तुलना आज के परिवारवाद भाई भतीजावाद से करें तो,कुछ विशेषयज्ञ वंशवाद की तुलना राजशाही से करते हैं, उनके अनुसार फर्क है तो इतना ही कि पहले राजे महाराजे अपने उत्तराधिकारी की घोषणा करते थे, भारत के लोकतंत्र में आज यह काम उनके लिए चाहे, अनचाहे ढंग से जनता या वोटर करते हैं। इसी तर्क को लेकर कुछ नेता यह दोहराने से नहीं थकते कि उनके परिवार के लोग राजनीति में चुनाव जीत कर आए हैं, किसी की मेहरबानी या खैरात से नहीं है।

साथियों बात अगर हम कुछ वर्षों से परिवारवाद भाई भतीजावाद पर बढ़ते विरोधी ट्रेंड की करें तो, वर्तमान समय में पीएम के कटु आलोचक भी मानते हैं कि उन्होंने भारतीय राजनीति के व्याकरण को कई मायनों में बदला दिया है। आज परिश्रम, दक्षता और योग्यता रूपी मानवीय गुणों ने तेजी से चाटुकारिता और परिवारवाद वाली राजनीति की जगह ले रही है। वैसे भी जो पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहती है, वही भविष्य के लिए खेल के नियम तय करती है। सभी छोटे खिलाड़ी उस फार्मूले का अनुकरण करते हैं। एक पार्टी भी लंबे समय तक सत्ता में रही है। लिहाजा अधिकांश पार्टियों ने उसका अनुकरण किया। उस पार्टी ने भारतीय राजनीति को वंशवाद की राजनीति का सूत्र सिखाया। बाल गंगाधर तिलक, मदन मोहन मालवीय, सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी सरीखे दिग्गजों ने पार्टी को एक आंदोलन के रूप में चलाया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद वह उनकी मात्र बनकर रह गई। उसने समय के साथ खुद को देश के प्रथमपरिवार के रूप में स्थापित कर लिया ऐसा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आया है हालांकि उसकी पुष्टि नहीं की गई है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा लाल किले की प्राचीर से परिवारवाद भाई भतीजावाद मुद्दे पर क्षणिक संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा दूसरी एक चर्चा मैं करना चाहता हूं भाई-भतीजावाद, और जब मैं भाई-भतीजावाद परिवारवाद की बात करता हूं तो लोगों को लगता है मैं सिर्फ राजनीति क्षेत्र की बात करता हूं। जी नहीं, दुभार्ग्य से राजनीति क्षेत्र की उस बुराई ने हिन्दुस्तान की हर संस्थाओं में परिवारवाद कोपोषित कर दिया है। परिवारवाद हमारी अनेक संस्थाओं को अपने में लपेटे हुए है। और इसके कारण मेरे देश के टैलेंट को नुकसान होता है। मेरे देश के सामर्थ्य को नुकसान होता है। जिनके पास अवसर की संभावनाएं हैं वो परिवारवाद भाई-भतीजे के बाद बाहर रह जाता है। भ्रष्टाचार का भी कारण यह भी एक बन जाता है, ताकि उसका कोई भाई-भतीजे का आसरा नहीं है तो लगता है कि भई चलो कहीं से खरीद करके जगह बना लूं। इस परिवारवाद से भाई-भतीजावाद से हमें हर संस्थाओं में एक नफरत पैदा करनी होगी, जागरूकता पैदा करनी होगी, तब हम हमारी संस्थाओं को बचा पाएंगे। संस्थाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत आवश्यक है। उसी प्रकार से राजनीति में भी परिवारवाद ने देश के सामर्थ्य के साथ सबसे ज्यादा अन्याय किया है। परिवारवादी राजनीति परिवार की भलाई के लिए होती है उसको देश की भलाई से कोई लेना-देना नहीं होता है और इसलिए लालकिले की प्राचीर से तिरंगे झंडे के आन-बान-शान के नीचे भारत के संविधान का स्मरण करते हुए मैं देशवासियों को खुले मन से कहना चाहता हूं, आइये हिन्दुस्तान की राजनीति के शुद्धिकरण के लिए भी, हिन्दुस्तान की सभी संस्थाओं की शुद्धिकरण के लिए भी हमें देश को इस परिवारवादी मानसिकता से मुक्ति दिला करके योग्यता के आधार पर देश को आगे ले जाने की ओर बढ़ना होगा। यह अनिवार्यता है। वरना हर किसी का मन कुंठित रहता है कि मैं उसके लिए योग्य था, मुझे नहीं मिला, क्योंकि मेरा कोई चाचा, मामा, पिता, दादा-दादी, नाना-नानी कोई वहां थे नहीं। यह मनस्थिति किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं है।

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया
महाराष्ट्र

भारत,अमेरिकी सामरिक,राजनीतिक और व्यापारिक संबंधों के क्या दूरगामी परिणाम होंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 20 से 23 जून तक अमेरिका यात्रा ने भारत अमेरिकी संबंधों की नई दिशा तय कर दी है इनके परिणाम आगे आने वाले कई दशकों तक याद किए जाते रहेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री का व्हाइट हाउस तथा अमेरिका में जिस तरह से अभूतपूर्व स्वागत किया गया उससे तो लगता है कि ना तो पहले और ना ही बाद में इतना गर्व जोशी से किसी का स्वागत भी किया जाएगा भारत में रक्षा समझौतों के तहत 30 अत्याधुनिक ड्रोन कि 3 अरब डालर की खरीदी और जेट इंजन टेक्नोलॉजी का सौदा कर अपनी सामरिक स्थिति मजबूत कर ली है इसी तरह अन्य व्यापारिक समझौतों तथा कूटनीतिक मामलों में भारत और अमेरिका काफी आगे बढ़ गए हैं । अब भारत के अमेरिका से बराबरी और मित्रता का संबंध बन गया है। अमेरिका के पूर्व इतिहास को देखते हुए उसे अभी भी अति विश्वसनीय नहीं माना जा सकता। आजादी के बाद से भारत, रूस के साथ अच्छी मित्रता का आदी हो गया है। भारत को पाकिस्तान के और चीन के विरुद्ध दोनों युद्धों में रूस की सेना ने अस्त्र, शस्त्र तथा सामरिक महत्व के मामलों में बहुत मदद की थी और उसका परिणाम यह हुआ था कि भारत ने इंदिरा गांधी के नेतृत्व में रूस की मदद से बढे मनोबल से जीत दर्ज की थी। पश्चिमी पाकिस्तान को मूल पाकिस्तान देश से अलग कर बांग्लादेश नामक एक स्वतंत्र राष्ट्र का निर्माण किया था। इस तरह रूस हमारा परंपरागत मित्र रहा है। पर पिछले एक दशक से अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के बाद बिल क्लिंटन तथा डोनाल्ड ट्रंप और अब जोसेफ बाइडेन के कार्यकाल तक भारत की नज़दीकियां अमेरिकी प्रशासन से प्रगाढ़ हो गई है। भारत के अमेरिका के साथ व्यापारिक, सामरिक तथा अन्य महत्त्व की चीजों को लेकर कई समझौते हुए हैं, पर जैसा कि अमेरिका का चरित्र है वह भारत के साथ औपचारिक रूप से मित्रता जरूर कर ले पर युद्ध के समय भी यदि साथ दें, तो ही उसकी मित्रता महत्वपूर्ण है, अन्यथा भारत का परंपरागत मित्र रूस भी हमसे दूर ना हो जाए, यह आशंका सदैव बनी रहती है। भारत अमेरिकी संबंधों के सामरिक, राजनैतिक एवं व्यापारिक दूरगामी परिणाम क्या होंगे यह तो भविष्य ही बताएगा पर रूस की बहुमूल्य लंबी मित्रता के मूल्य पर अमेरिका से मित्रता करना भारत के लिए नुकसान दे ना हो जाए। इस बात पर भी बहुत गहराई से सोचने की आवश्यकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विगत दिनों अमेरिकी यात्रा तथा अमेरिका से निकटता को दृष्टिगत रखते हुए,इसे भारत की कूटनीतिक सफलता कहें या अमेरिकी विदेश नीति की नई चाल जिसमें उसने भारत को अपने नजदीक लाकर पाकिस्तान पर मनोवैज्ञानिक दबाव डाला है। अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि एशिया में अमेरिका का सबसे नजदीकी दोस्त आने वाले कल के लिए भारत ही होगा और अमेरिका को धोखे में रख पिछले दो दशकों से तालिबानी आतंकवादियों को तन, मन, धन से अमेरिका तथा अफगानिस्तान के खिलाफ मदद के कारण अमेरिका के सभी सांसद, सीनेटर एवं पदाधिकारी बेहद नाराज चल रहे हैं। इन परिस्थितियों में अमेरिका का भारत के साथ जुड़ाव तथा गहरे संबंध पाकिस्तान को नागवार गुजर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में चुनाव के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो वायडेंन ने पाकिस्तान को जरा भी तवज्जो नहीं दी थी, कई देशों के राष्ट्र प्रमुखों से बात करने के बावजूद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से बात करना भी मुनासिब नहीं समझा। पाकिस्तान इस बात को अच्छे से समझता है कि अमेरिका उससे पूरी तरह खफा है। अब चीन ने भी उसको जबरदस्त झटका दिया है, अपने चीनी इंजीनियरों की हत्या के बदले 38 लाख डॉलर का हर्जाना मांगा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी पाकिस्तान को नया कर्जा देने से साफ इनकार कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अधिकारियों का मानना है कि पाकिस्तान को अब यदि कर्ज दिया जाएगा तो उसके भुगतान की कोई गारंटी नहीं होगी,वह पैसा डूब ही जाएगा क्योंकि पाकिस्तान पूरी तरह से कंगाल हो चुका है। ऐसे में चारों तरफ से संकट में घिरे हुए पाकिस्तान ने अमेरिका के सामने घुटने टेक कर उन्हें अफगानिस्तान में आतंकवाद के खिलाफ अपने एयरवेज को इस्तेमाल करने की अनुमति देने की पेशकश की है। न्यूज़ एजेंसी के अनुसार अमेरिकी प्रशासन ने कहा है कि अमेरिका अफगानिस्तान में सैन्य और खुफिया अभियानों के संचालन के लिए हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल के लिए एक सुरक्षित एयरबेस खोज रहा है और इसी कार्यक्रम में पाकिस्तान ने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल के लिए अपना एयरबेस देने को प्रस्तावित किया है। जिसका अभी औपचारिक समझौता होना बाकी है। सीएनएन ने बताया कि पाकिस्तान ने आतंक विरोधी कोशिशों और भारत के साथ संबंधों के बदले एक समझौता करना चाहता है पर समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। अमेरिकी प्रशासन और वाइट हाउस अभी भी यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि वह अफगानिस्तान में ना रहते हुए भी इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकी समूहों के खिलाफ कार्रवाई कर सकता है। मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिकी सेना अफगानिस्तान तक पहुंचने के लिए पाकिस्तान हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करती है इसको लेकर अभी तक कोई औपचारिक समझौता नहीं हो सका है। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पाकिस्तान अपना हवाई क्षेत्र देने के बदले अमेरिका से क्या-क्या लेना चाहता है। पाकिस्तान अपना एयरबेस तथा हवाई क्षेत्र के उपयोग की अनुमति के बदले में अमेरिका से पाकिस्तान के अंदरूनी हालात सुधारने के लिए डॉलर में कर्जा लेना चाहेगा पर दूसरी तरफ अफगानिस्तान में सैन्य उपस्थिति बनाने के लिए अमेरिका पाकिस्तान के साथ ताजिकिस्तान,ताजीकिस्तान आदि देशों को विकल्प मान रहा है। लेकिन ये देश रूस को नाराज नहीं करना चाहते हैं। वर्तमान समय में अमेरिका मिडिल ईस्ट के देशों से उड़ान भरने के लिए मजबूर है। अब अमेरिकी प्रशासन तथा राष्ट्रपति इन सब की एक बहुत महत्वपूर्ण तथा प्रभावशाली विकल्प की तलाश में है। अमेरिकी राष्ट्रपति प्रशासन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि अफगानिस्तान में आतंक विरोधी गतिविधियों की अपनी क्षमता तथा कार्रवाई को निर्बाध गति से बनाए रखना चाहते हैं, यद्यपि अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान की जमीन पर नहीं है लेकिन अमेरिका अफगानिस्तान में काम करने की अपनी क्षमता एवं इच्छा को बरकरार रखना चाहता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका अरबो डालर खर्च करने के बाद भी अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों के डर से परास्त होकर लौटा है। अमेरिका ने अफगानिस्तान में लगभग दो दशक अपनी सेना को बनाए रखा, और वहां के विकास के लिए रोड, अस्पताल, बांध, भवन बनाने के लिए तथा रक्षा खर्च के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया था। तालिबानियों के हाथों अपनी पराजय को अमेरिका इतनी आसानी से भुला नहीं सकता है। यह अलग मुद्दा है के तालिबानी और अफगानिस्तान के मामले में पाकिस्तान ने अमेरिका को पिछले 20 वर्षों से अंधेरे में रखकर जबरदस्त धोखा दिया और अफगानिस्तान में अमेरिकी पराजय का मुख्य कारण पाकिस्तान की रहा है।

संजीव ठाकुर
रायपुर
छत्तीसगढ़

अच्छा गुरु आजकल कम ही नजर आता है

गुरु यदि अच्छा हो तो सब कुछ मिल जाता है
लेकिन अच्छा गुरु आजकल कम ही नज़र आता है
बाबा ढोंगी पाखंडियों ने कर दिया गुरु को बदनाम
अय्याशी पाखंड फरेब करना रह गया जिनका काम
लोग भी कम दोषी नहीं अंधभक्ति दिखाते हैं
भेड़ चाल में ऐरे गैरे नत्थु खैरे के भक्त बन जाते हैं
गुरु का दर्जा गोविंद से भी बड़ा माना जाता है
गुरु ही है जो अपने शिष्य को गोविंद से मिलाता है
आषाढ़ मास की पूर्णिमा को यह दिवस मनाते हैं
गुरुओं को इस दिन श्रद्धा से सब शीश नवाते हैं
वेदों का ज्ञान दिया ब्यास ने ऐसा शास्त्र बताते है
इसीलिए तो वेद ब्यास पहले गुरु कहलाते हैं
असली गुरु भक्त को अपने ज्ञान से राह दिखाता है
उस ज्ञान से भक्त भवसागर पार कर जाता है
ऐसे गुरु कहाँ मिलते निर्लोभी संतोषी और हों निष्काम
गुरु अगर ज्ञानी है तो उस्के चरणों में सारे धाम
गुरु अगर लोभी है तो बेकार है फिर उसका ज्ञान
मन में उसके चाहत होगी क्या करेगा वो कल्याण
माता पिता और गुरु जगत में इनसे कोई नहीं बड़े
यदि मुसीबत आ जाये तो रहते यह तीनों ही खड़े
माता पिता और गुरु का जो करते नहीं सम्मान
शक्ति है कितनी तीनों में नहीं है उनको ज्ञान

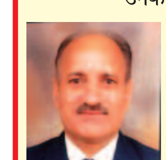

रवींद्र कुमार शर्मा घुमारवीं
बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

आँख से आंसू मेरे निकल रहाँ था

आज उसके खत पुराने पढ़ रहा था।
जाने कैसा दर्द जहन में बढ़ रहा था।
भीग रही थी पलके आंसुओ से मेरे,
जानें कैसा रंग मुझ पे चढ़ रहा था।
जैसे जैसे मैं शब्दों में बढ़ रहा था,
अक्षर अक्षर जैसे मुझसे लड़ रहा था।
जिस घुटन में जी रहा हूं आज मैं,
कल उस तन्हाई से कोई लड़ रहा था।
ख्वाब जो देखें थे वो सारे अधूरें,
आखँ से आंसू मेरे निकल रहा था।
उसने जो बातें लिखी उस समय थी,
आज मेरे साथ देखो हो रहा था।
सोचता हूँ आज मैं कितना बुरा था,
उसपे अत्याचार कितना कर रहा था।
बेपनाह उसको मोहब्बत मुझसे थी,
मैं ही जाने किन ख्वाबों को गढ़ रहा था।
आज तन्हा हूँ तो उसकी याद आई,
बाँह में बाँह डाले कभी चल रहा था।
हर घड़ी वो सामने मुझे चाहती थी,
किन्तु मैं बिन बताये जा रहा था।

प्रभात गौर
नेवादा जंघई प्रयागराज
उत्तर प्रदेश

मैं उड़ती नील गगन में

काश मेरे भी पर होते,
मैं उड़ती नील गगन में।
जी लेती सारी खुशियाँ,
दबी हुई जो अन्तर्मन में।
अठखेलियाँ सूरज दादा संग,
चँदा मामा संग हँसी-ठिठोली।
सैर सपाटे करती दिनभर,
मैं इठलाती नंदन वन में।।
डाली-डाली इतराती,मँडराती
सुवासित फूलों की बगियन में।
नित तितली बन उड़ती रहती ,
बगिया गूंजे भँवरों के गुंजन में।।
झर-झर झरनों के संग-संग,
गुंजित होता नवगीत मन में।
सुरभित फूलों की बगिया हो,
हर्षित मन हो जन-जन में।

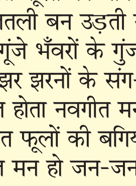

महेन्द्र साहू खलारीवाला
गुण्डरदेही बालोद छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी संघ की बैठक में नियमितीकरण पर हुई चर्चा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

नगरीय निकाय प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ की सरगुजा संभाग स्तरीय बैठक आयोजित की गई। सौरव यादव सरगुजा संभाग प्लेसमेंट कर्मचारी महासंघ की अध्यक्षता तथा संभाग पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों की उपस्थिति में निकाय अध्यक्षों तथा प्लसेमेंट कर्मचारियों की बैठक में अहम चर्चा हुई।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में 172 नगरीय निकाय है। जिसमें लगभग 25000 प्लेसमेंट कर्मचारी कार्यरत हैं। जिनकी गणना शासन द्वारा नहीं किया जा रहा है। अथवा विभाग में इन कर्मचारियों की संख्या शून्य दर्शाया जा रहा है। इससे कर्मचारियों में असंतोष एवं आक्रोश व्याप्त है। जबकि शासन द्वारा ही इन कर्मचारियों को प्लेसमेंट के तहत रखकर कार्य लिया जा रहा है। जो कि लगभग 15 से 20 वर्षों से नगरीय निकाय अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में सरकार द्वारा अपने जन घोषणा पत्र में सभी अनियमित कर्मचारियों को नियमितीकरण करने का वादा किया गया था जिससे यह कर्मचारी आश्वस्त थे। किन्तु विभाग द्वारा कर्मचारियों की जानकारी शासन को प्रदाय नहीं किए जाने से यह कर्मचारी नियमितीकरण के लाभ से वंचित रह जायेंगे। उक्त संबंध में महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय ऐडे द्वारा मुख्य सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं सचिव नगरीय प्रशासन विकास विभाग, संचालक, नगरीय प्रशासन विकास विभाग को प्लेसमेंट कर्मचारियों की जानकारी शासन को भेजने के संबंध में पत्र लिखा गया है।

गुरु पूर्णिमा पर महिला कांग्रेस ने किया प्रसाद वितरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। गुरु पूर्णिमा पर्व पर महिला कांग्रेस ने गुरुद्वारा में लंगर प्रसाद वितरित किया। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में अरदास कर लोक कल्याण की कामना की। इस अवसर पर अरदास पश्चात लंगर का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, गीता प्रजापति, हेमंती प्रजापति, सरला राय, नीलू, गीता रजक, रूही गजाला, निर्मला केहरी, शैलजा पांडे, पायल अग्रवाल, संध्या रवानी, रेशमी सोनी, चित्रा मिश्रा, पुर्णिमा सिंह, एंजेला केरकेता,शकीला, कुसुम मिंज, रंजू सिंहा, विमला रजक, आनंदी तिग्गा,सपना सिन्हा,मालती सिंह,हीरो बड़ा, रजनी महंत, ममता सिंह ने सहभागिता निभाई।

नियमितिकरण की मांग को लेकर संविदा कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

विभिन्न विभागों में पदस्थ संविदा व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने नियमितिकरण की मांग को लेकर सोमवार से अनिश्चित कालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। शहर के एसबीआई के कलेक्ट्रेट ब्रांच के सामने धरने पर बैठकर नियमितिकरण की मांग कर रहे संविदा व दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने कहा कि पिछले बार विधानसभा चुनाव के समय कांग्रेस ने अपने जनघोषणा पत्र में वादा किया था कि प्रदेश में सरकार बनने के बाद सभी अनियमित कर्मचारियों को नियमित कर दिया जाएगा, परन्तु प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने साढ़े चार साल से ज्यादा का समय हो चुका है तथा अब पुनः चुनाव होने जा रहा है ऐसे में कांग्रेस को अपने जन घोषणा पत्र के वादे को पूरा करना होगा। सोमवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल कर धरने पर बैठे संविदा व दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों ने इस दौरान सरकार से नियमितिकरण की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी भी की। कर्मचारियों ने एक सूत्रीय मांग के पूरा नहीं होने तक हड़ताल जारी रखने की बात कही है। इस दौरान काफी संख्या में संविदा कर्मचारी उपस्थित थे।

छप्पर छाने के दौरान गिरा ग्रामीण

इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छप्पर पर चढक़र छानी छाने के दौरान लकड़ी टूट जाने से एक ग्रामीण नीचे गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

कोरिया जिले के बंजारीडांड खंडगवा निवासी बुधराम 1 जुलाई को सुबह 9 बजे बारिश को देखते हुए घर के छप्पर में चढक़र छानी छा रहा था। बुधराम की पत्नी पत्नी बसंती गोंड ने बताया कि छानी छाते हुए अचानक छप्पर की लकड़ी टूट जाने पर बुधराम नीचे गिर पड़ा। उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। एंबुलेंस की मदद से उसे बैकुंठपुर अस्पताल ले जाया गया जहां से उसकी स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। सोमवार को उपचार के दौरान उसकी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मौत हो गई।

जंगली पुटू खाने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की बिगड़ी तबियत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम परपटिया में रविवार की रात जंगली पुटू की सब्जी खाने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की तबियत विगड़ गई। सभी को इलाज के लिए कमलेश्वरपुर स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। इलाज के बाद सभी की स्थिति समान्य बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पटपरिया निवासी माझी परिवार द्वारा रविवार की रात को जंगली पुटू की सब्जी का सेवन किया गया था। सभी ने बड़ चाव से खाया। खाना खाने के कुछ ही देर बाद एक-एक कर चार सदस्यों की तबियत विगडऩी शुरू हो गई। सभी को पेट में दर्द व उल्टी दस्त की परेशानी शुरू हो गई। इससे परिवार के बीच हडक़ंप मच गया। परिवार द्वारा बताए जाने पर पड़ोसियों की मदद से 30 वर्षीय कबीर मझवार, 25 वर्षीय फूलमती, 10 वर्षीय मनरूपा और 12 वर्षीय सुमारसाय को इलाज के लिए कमलेश्वरपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों का कहना है कि सभी के स्वास्थ्य में सुधार है। विदित हो कि बारिश के मौसम में जंगली पुटू बड़े पैमाने पर उगते हैं, और यह आदिवासी अंचल सरगुजा में लोग बड़े ही चाव से खाते हैं। बाजार में इसका शुरुआती भाव 600 से 800 रुपए प्रति किलो तक होता है। वहीं इसके सेवन से लोगों के बीमार पडऩे की घटनाएं भी सामने आती रहती हैं।

एनएसयूआई ने असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही के लिए दिया ज्ञापन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

एनएसयूआई के प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल के नेतृत्व में सोमवार को पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में बताया की एनएसयूआई के द्वारा चलाए जा रहे छात्र संवाद के कार्यक्रम के तहत राजमोहनी देवी कृषि महाविद्यालय के छात्रों से मुलाकात किया यहां अन्य राज्य एवं अन्य जिले से भी छात्र पढ़ाई कर रहे हैं छात्र छात्राएं ने शिकायत किया की हॉस्टल में रह रहे छात्रों को वहां पर असामाजिक तत्वों के द्वारा शराब पीकर के बोतलें फेंके जाते हैं एवं रात को हॉस्टल में पत्थर फेंके जाते हैं जिसे छात्र भयभीत है इसके बाद वहां के छात्रों के साथ पुलिस अधीक्षक सुनील से मुलाकात घटनाक्रम को से अवगत कराया एवं ज्ञापन सौंपा कि जिले में महाविद्यालय स्कूल एवं सामाजिक जहां पर शराब पीने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की पुलिस अधीक्षक ने आश्वासन दिया कि सरगुजा जिले में स्कूल कॉलेज एवं सामाजिक जगह पर इस तरह से अगर कोई असामाजिक तत्व पाए जाते हैं तो उनके ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी इसके लिए उन्होंने तत्काल सभी थानों को अवगत कराया है और पेट्रोलिंग के लिए निर्देशित किया है ज्ञापन सौंपने वालों में आशीष जायसवाल,अंकित जायसवाल, वैभव पांडे, पीयूष पांडेय,महेंद्र सिंह, शुभम, हेमंत पोर्ते, गजेंद्र, दृष्टि आहूजा, पूजा साहू, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीवन में हमेशा चुनौतियों को स्वीकार करने और कठोर परिश्रम के लिए रहना चाहिए तैयार :आईजी

होली क्रॉस स्कूल में संपन्न हुआ टॉपर छात्रों का सम्मान समारोह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

होली क्रॉस कन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2022-23 की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम आयोजित कर सम्मानित किया गया। आईजी रामगोपाल गर्ग के मुख्य आतिथ्य में तथा सिस्टर और अभिभावकों की गरिमामय उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के हाथों अलंकरण और सम्मान प्राप्त करते हुए अपने बच्चों को देखकर माता-पिता भावविभोर हो गए। कक्षा बारहवीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 24 छात्रों का सम्मान किया गया। इसके बाद कक्षा दसवीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 37 छात्रों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आईजी ने कहा कि इस जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं है, कठिन परिश्रम ही सफलता का

एकमात्र मूल मंत्र है, हमें जीवन में हमेशा चुनौतियों को स्वीकार करने और कठोर परिश्रम करने के लिए तैयार रहना चाहिए। वर्तमान समय मोबाइल और सोशल मीडिया का दौर चल रहा है लेकिन इसके अनावश्यक प्रयोग से हमेशा बच के रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि एक छात्र के निर्माण में शिक्षक और अभिभावक की संयुक्त जिम्मेदारी होती है। जिसे गंभीरता पूर्वक निभाया जाना चाहिए। अपने जीवन के रोचक और प्रेरक प्रसंगों में से एक की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि गणित उनका प्रिय विषय हुआ करता था और कठोर परिश्रम करके वह इसमें शत प्रतिशत अंक हासिल किया करते थे। विद्यालय की प्राचार्य सिस्टर जस्सी ने बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी तथा शिक्षकगणों और अभिभावकों के लगन और सहयोग के लिए उनका आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का सफल और रोचक संचालन विद्यालय की अंग्रेजी विषय की वरिष्ठ शिक्षिका नीलम पोद्दार द्वारा किया।

दो दिन से लापता बालक की तालाब में मिली लाश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सूर में बालक की लाश तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। बालक पिछले दो दिन से घर से लापता था। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। सूचना पर सीतापुर पुलिस मौके पर पहुंच कर बालक का शव बाहर निकलवाया और पीएम पश्चात शव परिजन को सौंप दिया। फिलहाल पुलिस ममले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतेजार कर रही है।

जानकारी के अनुसार 11 वर्षी फरहान खान उर्फ राजा पिता मो. सगीर सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सूर का रहने वाला था। वह पिछले दो दिनों से घर से लापता था। परिजन इसकी तलाश कर रहे थे। इधर सोमवार की सुबह बालक की लाश गांव के ही एक तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर सीतापुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकलवाया। पुलिस ने शव को पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस मामले में मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

ग्रामीणों की स्कूल की मांग पर कलेक्टर कुन्दन कुमार द्वारा अतिरिक्त कक्ष स्वीकृत

» बाँसढोढ़ी गांव में ही मिलेगी पाई की सुविधा, बच्चों को नहीं जाना पड़ेगा दूर

अम्बिकापुर 03 जुलाई 2023(घटती-घटना)।

जनपद पंचायत उदयपुर के ग्राम पंचायत भकुरमा के आश्रित ग्राम बांसढ़ोढ़ी के ग्रामीण जनदर्शन में अपने ग्राम में स्कूल खोलने की मांग को लेकर कलेक्टर के समक्ष उपस्थित हुए थे जिसपर त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने ग्राम में अतिरिक्त कक्ष

निर्माण की स्वीकृति दी है।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कूल तथा शिक्षक की मांग की थी। जिसे कलेक्टर ने संवेदशीलता से सुना। उन्होंने ग्रामीणों की इस जागरूकता पर प्रशंसा की तथा ग्राम बासढ़ोढ़ी में बच्चों की पढ़ाई संचालन हेतु शिक्षकों की व्यवस्था हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया। साथ ही 02 अतिरिक्त कक्ष का प्रस्ताव प्रेषित करने का निर्देश जिला मिशन समन्वयक सर्व शिक्षण अभियान को दिया। इसी क्रम में सोमवार को 15.58 लाख की लागत से 02 अतिरिक्त कक्ष की स्वीकृति प्रदाय करते हुए कलेक्टर ने ग्राम पंचायत को ही गुणवत्तापूर्ण तरीके से निर्माण कार्य पूरा करने की जिम्मेदारी दी है।

दिव्यांगजन सहायता शिविर में अब तक 1600 से ज्यादा दिव्यांगजनों ने कराया पंजीयन 100 से ज्यादा दिव्यांग हितग्राहियों के बनाये गए दिव्यांगता प्रमाण-पत्र

अम्बिकापुर 03 जुलाई 2023(घटती-घटना)। राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में दिव्यांगजनों की मदद के लिए सरगुजा जिले में दिव्यांगजन सहायता शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इन शिविरों में हितग्राही की दिव्यांगता का आंकलन किया जा रहा है। इसके बाद उन्हें दिव्यांगता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। अब तक आयोजित किये गए शिविरों में 1600 से ज्यादा दिव्यांग हितग्राहियों ने पंजीयन कराया है जिनका चिकित्सकों द्वारा आंकलन किया गया है।उक्त जानकारी देते हुए समाज कल्याण विभाग के उप संचालक श्री डीके राय ने बताया कि शिविर में मेडिकल बोर्ड की टीम भी उपस्थित रहती हैं जिनके द्वारा दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाये जा रहे हैं। शिविर में अब तक 109 हितग्राहियों को नवीन मेडिकल प्रमाण पत्र बनाकर प्रदान किये गए हैं।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर जनपद पंचायत से शिविर की शुरुआत हुई और अब तक लखनपुर, बतौली और सीतापुर में शिविर पूर्ण हो चुके हैं। हर जनपद में 4 जगहों पर शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। अम्बिकापुर और लुण्ड्रा जनपद पंचायत में शिविर जारी हैं। सोमवार को दरिमा और लुण्ड्रा जनपद पंचायत सभाकक्ष में शिविर आयोजित किया गया। शिविर के बेहतर आयोजन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की भी ड्यूटी लगाई गई है। आगामी शिविर जनपद पंचायत लुण्ड्रा के ग्राम पंचायत कुंदीकला में 5 जुलाई को तथा ग्राम पंचायत असकला में 6 जुलाई को, जनपद पंचायत मैनपाट के ग्राम पंचायत नर्मदापुर में 7 जुलाई को, ग्राम पंचायत सरभंजा में 10 जुलाई को, हाई स्कूल खड़गंवा में 12 जुलाई को तथा पंचायत भवन राजापुर में 13 जुलाई को होंगे।

शिविर में उपस्थित चिकित्सक- शिविर में भेषज विभाग के डॉ ललित अग्रवाल, डॉ नीरज कुशवाहा, डॉ रवि सोनी, अस्थि रोग विभाग के डॉ चन्द्रशेखर उपाध्याय, डॉ राहुल मिश्रा, नाक, कान एवं गला विभाग के डॉ जीके दामले, डॉ उषा आर्मो, डॉ नेहा स्वर्णकार, नेत्र रोग विभाग के डॉ ओमशंकर श्रीवास्तव, डॉ अभिजीत जैन, डॉ संतोष एक्का, डॉ प्रियंका गुप्ता तथा मनोरोग विभाग के डॉ सुमन कुमार की ड्यूटी लगाई गई है।

CMYK

वेस्ट बैंक में इजराइल के हमले से तीन फलस्तीनी मारे गए

यरुशलम ।इजराइल के हमले से तीन फलस्तीनी के मारे जाने की सूचना है। गौरतलब है ?कि इजराइली सेना ने सोमवार सुबह वेस्ट बैंक में उग्रवादियों के गढ़ में बड़े पैमाने पर छापे मारे। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इन छापों में कम से कम तीन फलस्तीनी मारे गए। सेना के मुताबिक, इजराइली बलों ने जेनिन शरणार्थी शिविर में उग्रवादियों के लिए बने एक एकीकृत कमांड सेंटर पर हमला किया। उसने बताया कि उग्रवादी वहां हमलों के लिए समन्वय तथा तैयारी करने के लिए एकत्रित होने वाले थे। इजराइली मीडिया ने बताया कि सेना ने हवाई हमले भी किए जिसे उसने पिछले दो दशकों के दौरान बड़े पैमाने पर रोक दिया था। इस मामले में फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि सोमवार को तीन फलस्तीनियों की मौत हो गयी तथा 13 घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। एक अलग घटना में वेस्ट बैंक के रामल्ला शहर के समीप इजराइल की गोलीबारी में 21 वर्षीय फलस्तीनी नागरिक की मौत हो गयी। वहीं वेस्ट बैंक में इस साल अब तक मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 131 हो गयी है। इजराइल ने कहा इन हमलों का मकसद उग्रवाद से निपटना है। वहीं, फलस्तीनी लोग इजराइली सेना की बढ़ती मौजूदगी को इलाके पर कब्जा बता रहे हैं।

ईरान में 532 मिलियन लीटर डीजल के साथ तस्कर गिरफ्तार

तेहरान ।ईरान ने सिस्तान और बलूचिस्तान में 532 मिलियन लीटर डीजल की तस्करी के आरोप में 66 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, गिरफ्तारियां करने वाले ईरान के खुफिया मंत्रालय और इस्लामिक रेवोल्यूशन गाड्‌र्स कॉर्प्स के खुफिया संगठन ने ईंधन को जब?त किया। 8 संदिग्ध ईंधन तस्करी नेटवर्क के सदस्य थे, जो दक्षिणपूर्वी ईरान में सक्रिय रहते हैं। उन पर सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत में बिजली संयंत्रों, औद्योगिक इकाइयों और मछली पकड़ने वाले जहाजों के बीच ईंधन वितरण करने का आरोप हैं। सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली गई हैं। रिपोर्ट के अनुसार जब्त किए गए 532 मिलियन लीटर डीजल की कीमत 340 मिलियन डॉलर आंकी गई हैं। ईंधन की लागत पर सरकारी सब्सिडी के कारण ईरान में ईंधन तस्करी आम हैं।

ट्विटर यूजर को जल्द मिलेगी यह सुविधा

सैन फ्रांसिस्को ।ट्विटर जल्द ही यूजर्स को 3 घंटे से ज्यादा का वीडियो पोस्ट करने की अनुमति देगा। एलन मस्क ने अमेरिकी कॉमेडियन और पॉडकास्टर थियो वॉन के ट्वीट का जवाब दिया, इस प्लेटफॉर्म पर कॉमेडी लीगल है! मस्क की पोस्ट पर कई यूजर्स ने अपने विचार व्यक्त किए। मई में, मस्क ने ट्विटर ब्लू वेरिफाइड के लिए 2 घंटे के वीडियो (8 जीबी) अपलोड करने की क्षमता की घोषणा की थी। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफ़ॉर्म ने अपने ट्विटर ब्लू पेज को भी बदल दिया था और घोषणा की थी कि पेड यूजर्स के लिए वीडियो फाइल साइज लिमिट 2जीबी से बढ़ाकर 8जीबी कर दी गई है। इन बदलावों के बावजूद, अधिकतम अपलोड क्वालिटी 1080 पिक्सल बनी हुई है।

भारतीय-अमेरिकी वकील पर धोखाधड़ी का आरोप

न्यूयॉर्क ।अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में चुनाव लड़ चुके एक भारतीय-अमेरिकी वकील को बोस्टन में एक संघीय जूरी ने ग्राहकों से एस्क्रो फंड में पांच मिलियन डॉलर से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया है। 50 वर्षीय अभिजीत बीज दास को पिछले सप्ताह भारत में स्थित एक बिजनेस-टू-बिजनेस सप्लाई कंपनी को लाखों डॉलर की धोखाधड़ी करने और ग्राहक निधि का उपयोग व्यवसाय और व्यक्तिगत खर्चों के लिए करने के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। मैसाचुसेट्स के तीसरे कांग्रेसनल जिले में दास को वायर धोखाधड़ी के 10 मामलों में दोषी ठहराया गया। न्याय विभाग के अनुसार, दास ट्रोका ग्लोबल एडवाइजर्स नामक एक बुटीक कानून और सलाहकार फर्म के प्रधान प्रबंधक थे, इसके कार्यालय बोस्टन और न्यूयॉर्क में थे। मई 2020 की शुरुआत में या उसके आसपास, दास ने भारत में दो जुड़वां भाइयों और उनकी रसद आपूर्ति कंपनी को कानूनी प्रतिनिधित्व और एस्क्रो सेवाएं प्रदान करना शुरू किया, जो महामारी के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के बड़े शिपमेंट का समन्वय कर रही थी। अभियोग में आरोप लगाया गया कि दास ने अपने ग्राहकों के खातों से एस्क्रो फंड में 5 मिलियन डॉलर से अधिक को अन्य खातों में स्थानांतरित कर दिया और इस धन का उपयोग व्यक्तिगत खर्चों के लिए किया। इसमें उनकी लॉ फर्म, उनके होटल के स्वामित्व वाली एक नौका, साथ ही फ्लोरिडा में 2.7 मिलियन डॉलर से खरीदा गया घर शामिल है। अभियोग में आरोप लगाया गया कि दास ने जून 2021 के अभियोग के परिणामस्वरूप अदालत द्वारा अनिवार्य प्री-ट्रायल रिहाई शर्तों पर रहते हुए वायर धोखाधड़ी के 10 मामलों में से नौ को अंजाम दिया। पहले के अभियोग में दास पर अभियान वित्त उल्लंघन, अभियान निधि के गबन और संघीय चुनाव आयोग के समक्ष गलत बयान देने का आरोप लगाया गया था। वायर धोखाधड़ी के प्रत्येक आरोप में 20 साल तक की जेल, तीन साल की निगरानी में रिहाई और 250,000 डॉलर का जुर्माना या सकल लाभ या हानि का दोगुना, जो भी अधिक हो, की सजा का प्रावधान है।

पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोत्तरी

इस्लामाबाद ।पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडी (पीआईसीएसएस) ने कहा कि 2023 की पहली छमाही में पाकिस्तान में आतंकवादी घटनाओं में चिंताजनक बढ़ोत्तरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पीआईसीएसएस ने एक रिपोर्ट में खुलासा किया कि इस अवधि के दौरान 271 आतंकवादी हमले हुए, उसमें 389 लोगों की जान चली गई और 656 लोग घायल हो गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि तुलनात्मक रूप से, पिछले साल इसी समय सीमा में 151 हमले हुए, इनमें 293 मौतें हुईं और 487 घायल हुए। इसके अतिरिक्त, 2023 की पहली छमाही के दौरान आत्मघाती हमलों में भी वृद्धि देखी गई, इसके बाद 13 हमलों के परिणामस्वरूप 142 मौतें हुईं और 309 घायल हुए। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तुलना में, पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान केवल पांच आत्मघाती हमले दर्ज किए गए थे, इसमें 77 मौतें हुईं थीं और 225 घायल हुए थे।

स्वीडिश सरकार ने कुरान जलाने की निंदा की, बताया इस्लामोफोबिक कृत्य

स्वीडन ने स्टॉकहोम की मुख्य मस्जिद के बाहर एक व्यक्ति द्वारा कुरान जलाने की हालिया घटना की निंदा की है और कहा है कि यह एक इस्लामोफोबिक कृत्य है। स्वीडिश विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये कृत्य स्वीडिश सरकार के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करते हैं। भविष्य में इसी तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सामूहिक कार्रवाई के लिए इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के आह्वान के बाद यह बयान आया। बयान में स्वीडिश विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि वे देश में प्रदर्शनों के दौरान लोगों द्वारा किए गए इस्लामोफोबिक कृत्यों के कारण मुसलमानों को होने वाले अपराध से अवगत थे और समझते थे। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि

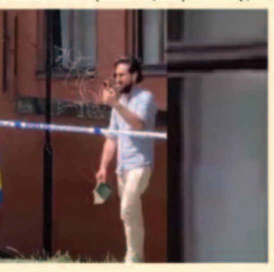

स्वीडन सरकार पूरी तरह से समझती है कि स्वीडन में प्रदर्शनों में व्यक्तियों द्वारा किए गए इस्लामोफोबिक कृत्य मुसलमानों के लिए अपमानजनक हो सकते हैं। बता दें कि स्वीडन में रहने वाले इराकी सलवान मोमिका ने स्टॉकहोम की केंद्रीय मस्जिद के सामने मुस्लिम पाठ की एक प्रति में आग लगा दी। कुरान जलाया गया जब दुनिया भर के मुसलमानों ने मुस्लिम कैलेंडर के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक ईद अल-अजहा का पहला दिन मनाया। ईद उल अजहा के दिन कुरान जलाने का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि स्टॉकहोम की एक मस्जिद के सामने दो लोग कुरान को फुटबॉल की तरह पैरों से मारते नजर आ रहे हैं। फिर उसे जमीन पर फेंकते हैं और पैरों से कुचलत हैं। आखिर में फाड़कर आग के हवाले कर देते है।

पेरिस में एक किशोर नेहल की मौत के बाद हुई हिंसा के दौरान एक वाहन को रोक रहे युवाओं को हटाती हुई पुलिस।

तनाव कम करने अमेरिका की वित्त मंत्री येलेन जाएंगी चीन यात्रा पर

वाशिंगटन ।अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन चीन यात्रा पर जा रही हैं। येलेन अमेरिका-चीन संबंधों को बेहतर बनाने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत बृहस्पतिवार को बीजिंग की यात्रा करेंगी। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। येलेन ने चीन से आर्थिक संबंध तोड़ने की धारणा को विनाशकारी करार दिया है और पिछले वर्ष कई बार उन्होंने कहा था कि वह चीन की यात्रा करना चाहती हैं। उनका कहना है कि भू-राजनीति तथा आर्थिक विकास को लेकर अपने तनावपूर्ण संबंधों के बावजूद दोनों देश एक साथ रहने का रास्ता ढूंढ सकते हैं और उन्हें ऐसे रास्तों को तलाशने की जरूरत है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक येलेन इस सप्ताह चीन के अधिकारियों, चीन में व्यापार करने वाली अमेरिकी कंपनियों और चीन के लोगों के साथ मुलाकात करेंगी। नौ जुलाई तक वह वहां रहेंगी। अधिकारी ने बताया कि उनकी यात्रा का मकसद अमेरिका और चीन के बीच संवाद बढ़ाना है। हालांकि साझा हित के क्षेत्र स्पष्ट हैं जिनपर येलेन बात कर सकती हैं। हालां?कि इसमें कई मुद्दों पर असहमतियां भी हैं जिनका समाधान एक यात्रा से नहीं होगा। बतादें कि अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन भी हाल ही में चीन की दो दिवसीय यात्रा पर गए थे। दोनों देशों के बीच कई मुद्दों को लेकर असहमति और संभावित टकराव है। इसमें ताइवान के साथ व्यापार, चीन तथा हांगकांग में मानवाधिकार की स्थिति से लेकर दक्षिण चीन सागर में चीन की सैन्य मौजूदगी और यूक्रेन-रूस युद्ध जैसे मुद्दे शामिल हैं।

खालिस्तान ने जारी किया धमकी भरा पोस्टर

- पोस्टर में आतंकी हरदीप निज्जर को बताया शहीद, सोशल मीडिया पर किया शेयर

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा में भारतीय राजनयिकों को धमकी दी है। इसका एक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर हो रहा है। पोस्टर में खालिस्तान समर्थक और आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर को शहीद बताया जा रहा है और भारतीय राजनयिकों को हत्यारा करार दिया गया है। खालिस्तान कमांडो फोर्स के मुखिया हरदीप सिंह निज्जर की पिछले महीने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह भारत के खिलाफ गतिविधियों और हिंसा में शामिल था। भारत सरकार ने निज्जर पर 10 लाख रुपए का इनाम रखा था। इस पोस्टर को ट्विटर पर शेयर करते हुए वरिष्ठ पत्रकार टेरी माइलवस्की ने लिखा, यह बेहद खतरनाक है। उन्होंने लिखा ?कि खालिस्तानी भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाकर अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं, जिन्हें वह शहीद हरदीप निज्जर का हत्यारा बता रहे हैं जिसे 18 जून को गोली मार दी गई थी। इसमें भारत की किसी तरह की भूमिका का कोई सबूत नहीं है। घोर गैरजिम्मेदाराना।

खालिस्तानी पोस्टर में 8 जुलाई को दोपहर 12़30 बजे एक रैली की बात कही जा रही है। इसे खालिस्तान फ्रीडम रैली कहा जा रहा है जो पोस्टर के मुताबिक ग्रेट पंजाब बिजनेस सेंटर से शुरू होकर भारतीय दूतावास तक जाएगी। इसमें भारतीय

राजनयिकों की फोटो भी लगी है और उनके आगे हत्यारा लिखा हुआ है। पोस्टर में सबसे नीचे दो मोबाइल नंबर भी लिखे हुए हैं। कुछ महीनों पहले कई देशों में खालिस्तान समर्थकों ने भारतीय संस्थानों और हिंदू मंदिरों को निशाना बनाया था। दुनियाभर से ऐसी कई घटनाएं सामने आई थीं। पिछले महीने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को भी अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान एक कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थकों का सामना करना पड़ा था। पिछले महीने मारा गया आतंकी हरदीप निज्जर पंजाब के जालंधर का रहने वाला था। कनाडा में वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देता था। उसने कई हिंदू मंदिरों को निशाना बनाने की साजिश रची थी।

खालिस्तान के धमकी भरे पोस्टर पर जयशंकर की चेतावनी, आपसी रिश्ते के लिए अच्छा नहीं...

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को कनाडा को खालिस्तानी तत्वों को जगह देने के खिलाफ चेतावनी दी। जयशंकर का बयान यह सामने आने के बाद आया कि कनाडा में खालिस्तानी धमकी वाले पोस्टरों में भारतीय राजनयिकों के नाम थे। जयशंकर ने कहा कि भारत ने खालिस्तानी पोस्टरों में भारतीय राजनयिकों की तस्वीरों का मुद्दा कनाडाई अधिकारियों के समक्ष उठाया था। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने कनाडा और यूनाइटेड किंगडम जैसे साझेदार देशों से संपर्क किया है और उनसे खालिस्तानी समूहों को जगह नहीं देने का अनुरोध किया है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे देशों के बीच संबंधों पर असर पड़ेगा। विदेश मंत्री ने भाजपा के आउटरीच अभियान के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि हमने कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे अपने साझेदार देशों से, जहां कभी-कभी खालिस्तानी गतिविधियां होती हैं। खालिस्तानियों को जगह न देने का अनुरोध किया है। क्योंकि वे (खालिस्तानी) कट्टरपंथी हैं, चरमपंथी सोच न तो हमारे लिए अच्छी है, न उनके लिए और न ही हमारे लिए।

मतृक नाहेल की दादी की दंगाईयों से अपील, दंगा रोक दें

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस में पुलिस की गोली लगने से मारे गए एक किशोर की दादी ने लोगों से दंगा रोकने की गुहार लगाकर शांति की अपील की है। जबकि अधिकारियों ने मेयर के घर को निशाना बनाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। मृतक किशोर की नाहेल की दादी नादिया ने कहा, खिड़कियां, बसें...स्कूलों को न तोड़ें। हम चीजों को शांत करना चाहते हैं।

किशोर की दादी ने कहा कि मैं उन्हें (दंगाइयों को) रुकने के लिए कह रही हूं। रिपोर्ट के अनुसार, उपनगर नैनटेरे में ट्रैफिक स्टॉप से दूर जाते समय कथित तौर पर उत्तर अफ्रीकी मूल के किशोर को गोली मार दी गई थी, इसके बाद से पूरे फ्रांस में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। नाहेल की दादी ने कहा कि उन्हें उस अधिकारी पर नाराजगी है, जिसने उनके पोते को मार डाला, लेकिन सामान्य तौर पर पुलिस पर नहीं। उन्होंने न्याय प्रणाली में विश्वास व्यक्त किया। नाहेल की हत्या के आरोपी अधिकारी पर स्वैच्छिक हत्या का प्रारंभिक आरोप लगाया गया है।

गौरतलब है कि यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले तेरह लोगों को पिछले साल फ्रांसीसी पुलिस ने गोली मार दी थी, और इस साल तीन लोगों को गोली मार दी गई, जिससे अधिक जवाबदेही की मांग उठने लगी। रविवार को, दक्षिणी उपनगर के मेयर विंसेंट जीनब्रून ने कहा कि दंगाइयों के हमले में उनकी पत्नी और उनके बच्चे, जिनकी उम्र पांच और सात साल है, घायल हो गए। अपने घर पर हमले के दौरान रूढ़िवादी लेस रिपब्लिकन पार्टी के जीनब्रून, टाउन हॉल में हिंसा की निगरानी कर रहे थे। जीनब्रून ने सरकार से आपातकाल की स्थिति लागू करने का आग्रह किया।

नाहेल की मौत के बाद से कुल मिलाकर 3,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। बड़े पैमाने पर पुलिस की तैनाती का भयभीत निवासियों और दुकान मालिकों ने स्वागत किया, जिनकी दुकानों में तोड़फोड़ की गई है।

गुपचुप तरीके से पाकिस्तान पहुंचे जैक मा, चीनी दूतावास को भी नहीं लगी भनक

काठमांडू (एजेंसी)। चीनी अरबपति और अलीबाबा ग्रुप के सह संस्थापक जैक मा अचानक पाकिस्तान के दौरे पर चले गए हैं। जिसके बाद से ही पाकिस्तान में इसको लेकर हलचल बढ़ गई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट के पूर्व अध्यक्ष मुहम्मद अजफर अहसन ने जैक मा के पाकिस्तान यात्रा के बारे में पुष्टि की है। जैक मा सरकारी अधिकारियों और मीडियाकर्मियों से बातचीत करने से बचते रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी अरबपति 29 जून को लाहौर पहुंचे और 23 घंटे तक वहां रहे।

बोर्ड ऑफ इन्वेस्टमेंट (बीओआई) के पूर्व अध्यक्ष, मुहम्मद अजफर अहसन ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि जैक मा की यात्रा गोपनीय थी और उम्मीद है कि यह जल्द ही पाकिस्तान के लिए 'सकारात्मक परिणाम' देगा। उन्होंने बताया कि जैक मा के साथ सात व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था जिसमें पांच चीनी नागरिक, एक डेनिश और एक अमेरिकी नागरिक शामिल थे। ऐसी अटकलें थीं कि जैक मा और उनकी टीम नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में व्यापार के अवसर तलाश रही है,लेकिन आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

विशेष रूप से, जैक मा अब चीनी फिनटेक दिग्गज एंट ग्रुप को नियंत्रित नहीं करते हैं - क्योंकि फर्म के शेयरधारकों ने इस साल की शुरुआत में समायोजन की एक श्रृंखला लागू की थी। जैक मा के साथ सात व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था, जिसमें पांच चीनी नागरिक एक डेनिश व्यक्ति और एक अमेरिकी नागरिक शामिल थे।

जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति को बताया कमजोर, कहा- वैगनर विद्रोह के बाद पुतिन ने अपने लोगों पर नियंत्रण खो दिया

जेरुसलेम (एजेंसी)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने वैगनर ग्रुप विद्रोह पर व्लादिमीर पुतिन की प्रतिक्रिया को 'कमजोर' करार दिया है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति अपने ही लोगों पर नियंत्रण खो रहे हैं। यूक्रेनी सेना एक साल से अधिक समय से जेलेंस्की के नेतृत्व में रूसी आक्रमण का विरोध कर रही है। उन्होंने सीएनएन को एक साक्षात्कार में बताया कि पुतिन उन क्षेत्रों में स्थिति को नियंत्रित नहीं करते हैं क्योंकि वैगनर रूस में काफी अंदर चले गए हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि रूसी नेता के पास जो 'शक्ति का शिखर' था वह ढह रहा है। 24 घंटे तक चले विद्रोह के दौरान सोशल मीडिया रूसी भीड़ द्वारा वैगनर विद्रोहियों की जय-जयकार करने के वीडियो से भरा हुआ था। सीएनएन द्वारा सत्यापित एक वीडियो में, 24 जून को रोस्तोव-ऑन-डॉन से प्रस्थान करते समय भीड़ ने वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन के वाहन की जय-जयकार की।

ज़ेलेंस्की के अनुसार यूक्रेनी खुफिया रिपोर्टों से पता चला है कि क्रेमलिन ने प्रिगोझिन के लिए समर्थन मांग। यह दावा करते हुए कि देश के आधे हिस्से ने निजी भाड़े की सेना का समर्थन किया। मॉस्को एक बड़ी शर्मिंदगी को टालने में सफल रहा क्योंकि प्रिगोझिन ने रूसी राजधानी से सिर्फ सौ किलोमीटर पहले विद्रोह बंद कर दिया। विद्रोह के कुछ दिनों बाद पोस्ट किए गए एक वीडियो संदेश में, वैगनर बॉस ने स्पष्ट किया कि विद्रोही रूसी नेतृत्व को उखाड़ फेंकना नहीं चाहते थे।

वैगनर विद्रोह ने पुतिन के नेतृत्व और रूस में मामलों की स्थिति पर उनके नियंत्रण पर सवाल उठाए हैं। सोमवार को क्रेमलिन ने कहा कि खुफिया सेवाओं

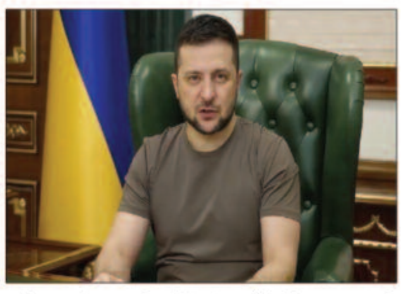

समेत सभी सरकारी एजेंसियां ??वैसे ही काम कर रही हैं जैसे उन्हें करना चाहिए। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव से जब पूछा गया कि शीर्ष खुफिया एजेंसी ने विद्रोह शुरू होने से पहले उसका नेतृत्व क्यों नहीं किया, तो उन्होंने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

ईरान से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका से और एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदेगा इजराइल

यरुशलम। (एजेंसी)। इजराइल आने वाले दिनों में अमेरिका से 25 एफ-35 विमान खरीदेगा, जिससे उसके 'स्टील्थ' लड़ाकू विमानों के शस्त्रागार में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि एफ-35 दुनिया का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान है और पश्चिम एशिया में इजराइल ही ऐसा देश है जिसके पास ये लड़ाकू विमान हैं। तीन अरब डॉलर के इस सौदे को आगामी महीनों में अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके साथ ही इजराइल के एफ-35 विमानों का बेड़ा 50 से बढ़कर 75 हो जाएगा। मंत्रालय के अनुसार, इस सौदे को इजराइल को अमेरिकी सैन्य सहायता के जरिए वित्त पोषित किया जाएगा और विमान के निर्माता लॉकहीड मार्टिन तथा उसके इंजन के निर्माता प्रैट एंड व्हिटनी ने उत्पादन प्रक्रिया में इजराइली कंपनियों को शामिल करने की प्रतिबद्धता जतायी है।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''नया समझौता विमान के पुर्जों के उत्पादन में अमेरिकी कंपनियों और इजराइली रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग की निरंतरता सुनिश्चित करेगा।'' इजराइल ने अपने शस्त्रागार में वृद्धि करने की यह घोषणा ऐसे समय में की है जब इजराइल और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है। ईरान को अपना सबसे बड़ा शत्रु मानने वाले इजराइल ने ईरानी ड्रोनों को गिराने में भी पहले एफ-35 विमानों का इस्तेमाल किया था और उसने ईरान के परमाणु ठिकानों पर लंबी दूरी के हमले करने की धमकी भी दी है। वह ईरान पर परमाणु हथियार विकसित करने का आरोप लगाता है। हालांकि, ईरान इन आरोपों को खारिज करता है।

अमेरिका के खिलाफ वॉर की तैयारी में है चीन! रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार ने किया आगाह

वॉशिंगटन (एजेंसी)। 2024 में रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने %कम्युनिस्ट% चीन द्वारा सैन्य निर्माण के मद्देनजर अमेरिकी सरकार को चेतावनी दी है। चीन की आश्चर्यजनक नौसैनिक क्षमताओं और सैन्य प्रौद्योगिकी में प्रगति का हवाला देते हुए हेली ने संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए गंभीर खतरे का मुद्दा उठाया। हेली ने फॉक्स न्यूज संडे पर कहा कि यदि आप सैन्य स्थिति को देखें, तो उनके पास अब दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक बेड़ा है।

हेली ने कहा कि उनके पास 340 जहाज़ हैं, हमारे पास 293 जहाज़ हैं। उनके पास दो वर्षों में 400 जहाज़ होंगे, हमारे पास दो दशकों में 350 भी नहीं होंगे। उन्होंने हाइपरसोनिक मिसाइलें विकसित करना शुरू कर दिया है। हम अभी शुरुआत कर रहे हैं। हेली ने अमेरिकी सेना में बढ़ती जागरुक संस्कृति के लिए भी अधिकारियों की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि सुरक्षा के मामले में चीन कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अमेरिका से आगे निकल रहा है। वे (चीन) अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहे हैं, हमारी सेना लिंग सर्वनाम कक्षाएं ले रही है। देखो वे साइबर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष पर क्या कर रहे हैं। वे हमसे आगे हैं।

हेली ने कहा कि हमें कुछ काम करना है और हमें अपनी सेना को मजबूत करने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम सही हैं। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत ने खतरे की घंटी बजाते हुए कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ युद्ध की तैयारी कर रहा है। हेली ने चेतावनी देते हुए कहा कि दशकों से हमारे साथ युद्ध की तैयारी कर रहा है और हमें चीन से जिस तरह निपटना है, उसे कल के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

क्या एक प्रधान आरक्षक के आगे एमसीबी जिले के पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी बेवस...इसीलिए चंद दिनों में हो गई फिर घर वापसी?

» यदि जनप्रतिनिधि ही एसपी कार्यालय व थाना चलाना चाहते हैं तो फिर पुलिस अधीक्षक व निरीक्षक की जरूरत ही क्यों है

» जिले का एक प्रधान आरक्षक जो चाहता है वही होता है..जिस थाने में रहना चाहता है उसी थाने में पदस्थापना पाता है?

» 15 दिनों में 2 बार तबादला आखिर क्यों...विवादित प्रधान आरक्षक व आरक्षक की वापसी फिर थाने में

» एक प्रधान आरक्षक ने होटल संचालक से वसूली थी बड़ी रकम...तो वही दूसरे ने दारू पीकर ड्राइवरों से की थी पैसों की मांग

» चुनाव से पहले पुलिस अधीक्षक को करना होगा निष्पक्ष तबादला स्थानीय लोगों को घर से दूर के थानों में देनी होगी पदस्थापना

» अवैध कारोबारियों को संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मियों का तबादला बहुत जरूरी

» क्या अवैध कारोबार में संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मियों को विधायक का भी है संरक्षण?

-रवि सिंह-

एमसीबी,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। एमसीबी जिले की स्थापना व पुलिस कप्तान के बदलने के बाद लगा था कि पुलिस बड़ी कसावट देखने को मिलेगी और कोयलांचल क्षेत्रों के होने के कारण अपराधों के बड़े ग्राफ में काफी कमी आएगी नई पुलिस इन देखने को मिलेगी लेकिन सब मनसाओ के विपरीत पुलिस की स्थिति काफी कमजोर और लाचार दिखाई दे रही है। जिले में पदस्थ कुछ चर्चित सिपाही

पुलिस को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं उनमें से एक चिरमिरी थाने में पदस्थ ÷÷एक सिपाही सब पर भारी÷÷ वाली कहावत चरितार्थ कर रहा है पिछले दिवस एक होटल व्यवसाई से लगभग डेढ़ लाख रुपए की उगाही करने वाला सिपाही इन दिनों नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक के मौखिक आदेश से उसे मनेंद्रगढ़ थाने में स्थानांतरित किया गया था लेकिन अपनी राजनीतिक पकड़ रखने वाला यह सिपाही एसपी साहब को भी धत्ता बताते हुए अपना स्थानांतरण पोंडी थाने में करा लिया है जिसको लेकर क्षेत्र में नागरिकों से लेकर पार्षदों में काफी असंतोष व्याप्त है करीब 25 पार्षद एवं एल्डरमैन पिछले दिवस क्षेत्रीय विधायक से मिलकर यह बात कही है कि आप हम सब को यह स्पष्ट करें कि आपके लिए वह सिपाही प्री है या हम सब,, विधायक ने सभी पार्षदों एवं एल्डरमैन ओं को काफी समझाने की कोशिश की लेकिन उस विवादास्पद सिपाही को यहां से हटवाने की बात पर सभी जनप्रतिनिधि अड़े रहे।

एमसीबी पुलिस एक बार फिर सुर्खियों में आ गई है वह इसलिए है क्योंकि एक प्रधान आरक्षक का नाम 15 दिन में दो बार तबादला आदेश सूची में शामिल किया गया, जो उच्च अधिकारी का अधिकार भी है पर समस्या आमजनों के लिए खड़ी हो गई है, जिस प्रधान आरक्षक की बात हो रही है वह प्रधान आरक्षक काफी विवादित है उसके खिलाफ कई शिकायतें हैं और वह बहुत ऊंची पकड़ रखता है, क्या यही वजह है कि प्रधान आरक्षक को 15 दिन में तबादला सूची जारी कर घर के पास भेज दिया गया है। प्रधान आरक्षक पर क्षेत्र के लोगों के द्वारा कई बार आरोप लगाया गया है कि अवैध कारोबार को इनका संरक्षण रहता है, यही वजह है कि अवैध कारोबार करने वाले ही राजनीतिक पहुंच पकड़ बता कर इन्हें उसी थाने में ले आते हैं, जिस थाने क्षेत्र में अवैध कारोबार संचालित होता है। पूरी नौकरी यह अपने निवास स्थल के आसपास के थानों में ही रहकर अभी तक काटते आ रहे हैं, दूरस्थ अंचल क्षेत्रों के थानों में आज तक इन्होंने काम नहीं किया है, मनचाहा थाना पाना इनके लिए बाएं हाथ का खेल माना जाता है, यही वजह है कि प्रशासनिक अधिकारियों के ऊपर भी सवाल उठता है कि क्या प्रधान आरक्षक के सामने वह भी विवश है? आखिर ऐसी कौन सी मजबूरी है कि इस प्रधान आरक्षक को दोबारा उन्हीं के गृह क्षेत्र के थाना में फिर से भेज दिया गया। वैसे सूत्रों का मानना है विधायक का संरक्षण व उनकी कृपा की वजह से प्रधान आरक्षक को दोबारा उनके गृह क्षेत्र के थानों में भेजा गया है, जैसे ही दोबारा प्रधान आरक्षक की वापसी की तबादला सूची आई लोगों ने उच्च अधिकारी को फोन लगाकर उनके गतिविधियों के बारे में बता कर उन्हें थाना क्षेत्र हटाने की मांग की वहीं अधिकारी ने भी आश्वासन दिया है कि पूरे मामले का पता करके उन्हें हटाया जाएगा।

क्या पुलिस विभाग के ऐसे भ्रष्ट प्रधान आरक्षक व आरक्षक से जन सेवा मंशा सही है?

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पार्षदों और उस सिपाही के बीच काफी लंबे समय से विवाद चल रहा है विवादित सिपाही

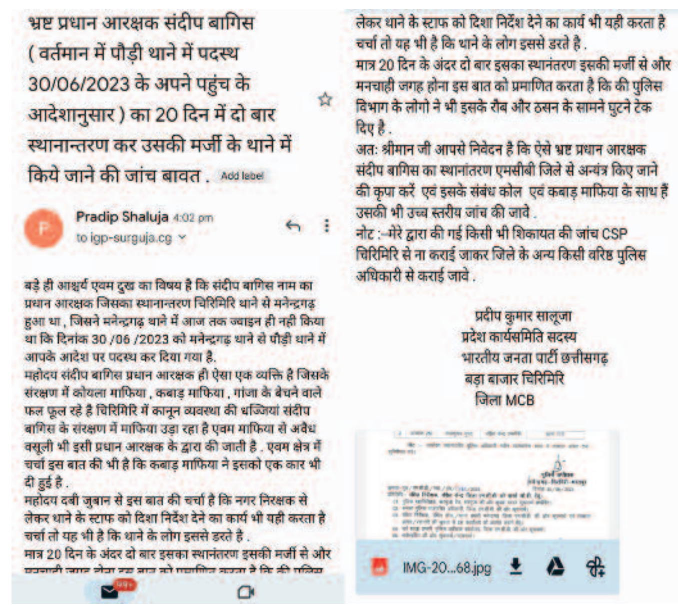

भ्रष्ट प्रधान आरक्षक संदीप बागिस (वर्तमान में पौड़ी थाने में पदस्थ 30/06/2023 के अपने पहुंच के आदेशानुसार) का 20 दिन में दो बार स्थानान्तरण कर उसकी मर्जी के थाने में किये जाने की जांच बावत . Add label

Pradip Shaluja 4:02 pm
to igp-surguja.cg

बड़े ही आश्चर्य एवम दुख का विषय है कि संदीप बागिस नाम का प्रधान आरक्षक जिसका स्थानान्तरण चिरिमिरि थाने से मनेन्द्रगढ़ हुआ था , जिसने मनेन्द्रगढ़ थाने में आज तक ज्वाइन ही नही किया था कि दिनांक 30 /06 /2023 को मनेन्द्रगढ़ थाने से पौड़ी थाने में आपके आदेश पर पदस्थ कर दिया गया है.
महोदय संदीप बागिस प्रधान आरक्षक ही ऐसा एक व्यक्ति है जिसके संरक्षण में कोयला माफिया , कबाड़ माफिया , गांजा के बेचने वाले फल फूल रहे है चिरिमिरि में कानून व्यवस्था की धज्जियां संदीप बागिस के संरक्षण में माफिया उड़ा रहा है एवम माफिया से अवैध वसूली भी इसी प्रधान आरक्षक के द्वारा की जाती है . एवम क्षेत्र में चर्चा इस बात की भी है कि कबाड़ माफिया ने इसको एक कार भी दी हुई है .
महोदय दबी जुबान से इस बात की चर्चा है कि नगर निरक्षक से लेकर थाने के स्टाफ को दिशा निर्देश देने का कार्य भी यही करता है चर्चा तो यह भी है कि थाने के लोग इससे डरते है .
मात्र 20 दिन के अंदर दो बार इसका स्थानंतरण इसकी मर्जी से और मनचाही जगह होना इस बात को प्रमाणित करता है कि की पुलिस विभाग के लोगो ने भी इसके रौब और ठसन के सामने घुटने टेक दिए है .
अत: श्रीमान जी आपसे निवेदन है कि ऐसे भ्रष्ट प्रधान आरक्षक संदीप बागिस का स्थानांतरण एमसीबी जिले से अन्यंत्र किए जाने की कृपा करें एवं इसके संबंध कोल एवं कबाड़ माफिया के साथ हैं उसकी भी उच्च स्तरीय जांच की जावे .
नोट :-मेरे द्वारा की गई किसी भी शिकायत की जांच CSP चिरिमिरि से ना कराई जाकर जिले के अन्य किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी से कराई जावे .

प्रदीप कुमार सालूजा
प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़
बड़ा बाजार चिरिमिरि
जिला MCB

IMG-20...68.jpg

चिरमिरी का लोकल रहने वाला है यही और पढ़ा लिखा है कुछ छूट भैया मुंहफट किस्म के कथित ट्रेड यूनियन के नेता का काफी करीबी है, वह बड़बोला नेता विरोध करने वाले जनप्रतिनिधियों को धमका चमकाता रहता है, बेहूदा नेता तीन-चार दिन पूर्व कहता था कि तुम लोग कुछ भी कर लो चिरिमिरी से बाहर वह नहीं जा पाएगा कि उसका कोई कुछ नहीं कर पाओगे चुपचाप शांति से रहो,, इसके अलावा यह सिपाही एक कबाड़ी के साथ दिन भर घूमता है और कबाड़ी भी उसकी कार व दोस्ताना संबंध पूरा मेंटेन करता है, उस चर्चित कबाड़ी के साथ दोस्ताना संबंध रखने वाले कबाड़ी के बीच पार्टनरशिप की भी खबर है, दोनों के फोटो भी काफी वायरल किए जाते रहे हैं, इन सब के बावजूद भी उसका चिरमिरी और आसपास के थानों में लंबे समय से कोयलांचल के थानों में बने रहना पुलिस कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान लगा रहा है, क्या ऐसे भ्रष्ट आरक्षक से पुलिस देशभक्ति जन सेवा करने की मंशा रखती है जो रास्ते चलते लोगों से विवाद करते चलता है और हमेशा नशे में भी भूत रहता है, पार्षदों और इस सिपाही के बीच काफी तलवार खींची हुई है यह आरक्षक अपने पुलिसिया अंदाज में किसी के निवास स्थान में किसी अपने चहेते को भी घुसा देता है, तो कभी किसी से भयादोहन करता है और कभी अपने महकमे के अधिकारियों से झूठी धमकी दिलाता है और एफआईआर कराने की बात करता है, उसका संरक्षण चिरमिरी क्षेत्र के पुलिस के आला अधिकारी भी देते रहे हैं यही वजह है कि इतना विरोध और इतना विवाद होने के बावजूद भी इसका कोई कुछ नहीं कर पा रहा है।

सिपाही संभागीय स्तर के पुलिस के आला अधिकारियों के बारे में भी अपशब्द कहता रहता है

बीते दिवस नगर पालिका के विरुद्ध एक धरना प्रदर्शन के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कुछ नेताओं ने सीधे नाम लेकर इस पर गंभीर आरोप लगाए थे और यह भी कहा था कि यह सिपाही संभागीय स्तर के पुलिस के आला अधिकारियों के बारे में भी अपशब्द कहता रहता है और उनके स्थानांतरण कराए जाने की बात भी कहता है, चुकी कबाड़ और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए आईजी साहब लगातार प्रयासरत रहें या सिपाही कबाड़ीओं का दोस्त है यही वजह है कि यह उनका भी स्थानांतरण करवा कर यहां पर कबाड़ चालू करवाना चाहता है, होटलों में बैठकर नशे में धुत होकर यह पुलिस के आला अधिकारियों के बारे में भी अपशब्द बोलता रहता है, जिसको लेकर शहर में हमेशा चर्चा रहती है आखिर क्या वजह है कि एक सिपाही पुलिस महानिरीक्षक सहित पुलिस अधीक्षक पर भारी होता दिख रहा है?

जब जनप्रतिनिधि के निर्देश पर ही पूरा कार्य होना है तो पुलिस अधीक्षक और निरीक्षको की क्या जरुरत?

बाहर हाल इस पूरे प्रकरणों को देखने के बाद यह प्रतीत होता है कि कांग्रेस के शासन में जिले में पुलिस अधीक्षक और थानों में नगर निरीक्षको की पदस्थापना ही नहीं करना चाहिए, क्योंकि इन सभी मामलों में उस क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के निर्देश पर ही पूरा कार्य किया जाता है, किसके विरुद्ध एफआईआर करना है किस सिपाही की किस थानेदार में स्थापना होगी वह जनप्रतिनिधि तय करता है, किससे कितनी उगाही करनी है ये सभी चीज़ जनप्रतिनिधि तय करता है कौन सी धारा जोड़नी है कौन सी घटानी है कब किस मामले में चालान पेश होना है जब थानेदार का काम और पुलिस अधीक्षक का काम जनप्रतिनिधि करने लगे हैं तो फिर इन पदों को तत्काल प्रभाव से खत्म कर देना चाहिए ताकि शासन को अनावश्यक रूप से हर महीने करोड़ों रुपए का पेमेंट भुगतान करना पड़ता है उस की बचत की जा सके!

प्रधान आरक्षक देते है अवैध कारोबार को संरक्षण

बताया जाता है की जिन प्रधान आरक्षकों को पुनः 15 दिन बाद तबादला सूची जारी कर उनके गृह क्षेत्र के थानों में भेजा गया है वह अवैध कारोबार को क्षेत्र में संरक्षण देते हैं। कोयलांचल क्षेत्र में जारी अवैध करोबार में उनकी तूती बोलती है और यही वजह है की वह कोयलांचल क्षेत्र का थाना नहीं छोड़ना चाहते।

अवैध कारोबारी भी नहीं चाहते प्रधान आरक्षक कोयलांचल छोड़कर अन्यत्र जाएं,अवैध कारोबारियों की मंशा से ही हुआ है तबादला निरस्त:सूत्र

प्रधान आरक्षक जिन्हे पुनः उन्हीं थानों में पदस्थ किया गया है पंद्रह दिनों बाद जहां वह पहले से पदस्थ से और जहां से उन्हें हटाया गया था के पीछे अवैध कारोबारियों का ही हांथ है यह भी सूत्रों का कहना है,बताया जा रहा है की अवैध कारोबारी उन्हे क्षेत्र छोड़कर जाने नहीं देना चाहते क्योंकि उनकी पहले की सेटिंग प्रभावित हो सकती है और इसलिए संबंधित प्रधान आरक्षक का तबादला निरस्त किया गया है जो पूरी तरह अवैध कारोबारियों की सह पर हुआ है।

उच्च अधिकारी भी प्रधान आरक्षक की ऊंची पकड़ के आगे हैं नतमस्तक,निरस्त किया तबादला आदेश

सुर्खियों में रहने वाले प्रधान आरक्षक का तबादला उच्च अधिकारियों को निरस्त करना पड़ा क्योंकि ऐसी मंशा अवैध कारोबारियों की थी और वह ऊंची पकड़ का सहारा लेकर उच्च अधिकारियों पर दबाव डलवाकर ऐसा करवा पाने में सफल हुए हैं ऐसा बताया जा रहा है। अब ऐसे में समझा जा सकता है की उच्च अधिकारी भी किस तरह मजबूर हैं एक प्रधान आरक्षक और उसकी ऊंची पकड़ के आगे जो उन्हे पंद्रह दिनों में ही तबादला निरस्त करना पड़ा है।

चुनाव से पहले क्या उच्च अधिकारी करेंगे चर्चित एवं सुर्खियों में रहने वाले पुलिसकर्मियों का तबादला

सवाल यह भी है की क्या चुनाव पूर्व उच्च अधिकारी चर्चित एवम सुर्खियों में रहने वाले पुलिसकर्मियों का तबादला करेंगे। वैसे बता दें जो गिने चुने पुलिसकर्मी हैं जिनकी ऊंची पकड़ और पहुंच है वह अपनी मनचाही पोस्टिंग पाने में सफल होते रहते हैं और उनके क्षेत्र में अवैध कारोबार भी जमकर होता है वहीं जो बिना ऊंची पहुंच और पकड़ वाले हैं वह दूरस्थ थानों में ही सेवा दे रहें हैं।

विधायक का भी संरक्षण प्राप्त है चर्चित प्रधान आरक्षक को

बताया जाता है की प्रधान आरक्षक जिसका तबादला निरस्त किया जाकर पुनः पुराने थाने में जिसे भेजा गया है उसे विधायक का भी समर्थन प्राप्त है और उसका तबादला इसलिए भी नहीं होता या रुक जाता है,वैसे सच जो भी हो लेकिन लोगों को सताने वाले साथ ही अवैध कारोबार को संरक्षण देने वाले पुलिसकर्मियों की चांदी है यह देखने को मिलता रहता है।

उच्च न्यायालय ने हिन्द मजदूर सभा के याचिका मे हस्तक्षेप की अनुमति देते हुये वेतन समझौता 11 को लागू करने पर रोक लगाने से इंकार

-संवाददाता-

बैकुंठपुर,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। कोल इंडिया लिमिटेड के कुछ अधिकारियों की ओर से अति उत्साह मे स्वयं उनके संगठन कोल माइंस आफसिर ऐसोशियेशन के द्वारा स्वीकार किये गये 5 वें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशों के अनुरूप अधिकरी संवर्ग की वेतन समानता को 1.1.1996 से स्वीकार कर लेने के विरोध मे छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट मे कर्मचारियों के वेतन फर रोक लगाने की याचिका दायर की गई थी। याचिका क्रमांक 14830/2023 पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने स्थगन नही दिया और आज याचिका क्रमांक 4064/2023 मे माननीय छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने हिन्द मजदूर सभा के याचिका मे हस्तक्षेप की अनुमति देते हुये वेतन समझौता 11 को लागू करने पर रोक लगाने से इंकार कर दिया।

हिन्द मजदूर सभा के प्रमुख नाथूलाल पाण्डेय की ओर से हस्तक्षेप याचिका दायर की गई। इसमे 1.1.1996 ङ्क 31.12.2005 1.1.2006-31.12.2015 1.1.2016 -2026 तक के समझौतों मे केन्द्रीय वेतन आयोग 6 एंव 7 के समकक्ष वेतन लाभ लेने वाले अधिकारी संवर्ग की अचानक कोयला मजदूरों के वेतन समझौते से तुलना और रोक की मांग करने का विरोध करते हुए न्यायालय को बताया गया कि कोयला मजदूरों ने वेतन आयोग समकक्षता के प्रस्ताव को 1996 से ही नकार दिया था और 6 वेतन समझौते इस अवधि मे हो चुकें है। कोयला मजदूरों का राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इन्टरप्राइजेज की अनुमति से ही 5 वर्षों के लिये औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के सामूहिक सौदेबाजी के आधीन होता आया है और माननीय सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया ने राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता को औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 की धारा 2 पी के तहत सेटलमेंट माना है। अतः कतिपय असंतुष्ट अधिकारियों की यह याचिका स्वीकार नही की जानी चाहिये। विद्वान न्यायाधीश ने हिन्द मजदूर सभा द्वारा प्रस्तुत तर्कों को स्वीकार करते हुये अधिकारियों की याचिका मे हिन्द मजदूर सभा के हस्तक्षेप की याचिका को स्वीकार करते हुये स्थगन देने से इंकार कर दिया। याचिका पर अगली सुनवाई 4 सितंबर को है। कोयला मजदूरों को बढ़े वेतन के भुगतान की सभी बाधायें दूर हुई। हिन्द मजदूर सभा ने मजदूरों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। अन्य संगठनों ने माननीय न्यायालय को मजदूरों का पक्ष समझाने की जहमत नही उठाई यह एक चिंता का बिषय ज़रूर रहा है।

एमसीबी खाद्य विभाग पर लगा रहा भ्रष्टाचार का आरोप

कई दुकान निरस्त के बाद भी बिना बहाली के कैसे चल रही?:केवल सिंह मरकाम

» खाद्य निरीक्षक दीपक प्रधान पर कार्यवाही क्यों नहीं?

-रवि सिंह-

मनेंद्रगढ़,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी एमसीबी जिलाध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने कहा एमसीबी खाद्य विभाग के खाद्य अधिकारी को खडगंवा के खाद्य निरीक्षक दीपक प्रधान के द्वारा पैनारी के विकेता को डीडी ना जमा करने के नाम पर फोन के माध्यम से जमकर गाली-गलौज किया गया जिसका आडियो किलिप भी जमकर वायरल हो रहा है, जब इसकी शिकायत पैनारी के दुकान विक्रेता के द्वारा कलेक्टर से शिकायत किया गया है। पूर्व संचालक 586 कुंटल का भुगतान नहीं किया उस पर खाद विभाग अधिकारी बताएं क्या कार्रवाई की गई है। पूर्व संचालक के द्वारा बकाया 21/7/2022 को 586 क्विंटल वर्तमान संचालक पर दबाव बनाकर वसूला जा रहा है। श्याम लाल यादव का कहना है मैं ने दुकान 21/7/2022 दुकान मुझे सौंपा गया पूर्व संचालक का 586 कुंटल माल मुझे प्राप्त नहीं हुआ बदले में खाद्य निरीक्षक 25 लाख रुपए का

डिमांड वर्तमान संचालक से कर रहे हैं यह बात फोन ऑडियो में खाद्य निरीक्षक मुझ से खुद कह रहे हैं पूर्व संचालक की वसूली भी तुमसे किया जाएगा। खाद्य निरीक्षक पर क्या कार्रवाई की जाएगी? जिला कलेक्टर प्रेस वार्ता करके बताएं। आज एमसीबी जिले में कई दुकानें निरस्त के बावजूद भी बिना बहाली के चल रही है। उस पर कोई कार्रवाई न होना शासन प्रशासन पर कई सवाल उठ रहे हैं। एक 80 साल का बुजुर्ग धरने पर बैठा अपनी मांग को लेकर 15 लाख की रिकवरी अनाज कम बताकर उनके घर में नोटिस चस्पा कर दिया जाता है। एमसीबी में कानून व्यवस्था पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुका है। गरीबों पर एक तरफा कार्रवाई कर शासन प्रशासन अपनी पीठ थपथपाने में लगी है। एक 80 साल का बुजुर्ग अपने हक की लड़ाई के लिए आमरण अनशन पर बैठा,मैं जानना चाहता हूं सत्ता पक्ष का कोई विधायक या विपक्ष का कोई विधायक बुजुर्ग से मिला जब दुकान निरस्त की गई थी। तब 15 लाख से ज़्यादा का नोटिस नहीं दिया गया। आगे केवल सिंह मरकाम ने कहा गजब भूपेश सरकार है। कई राशन दुकान निरस्त हैं फिर भी बहाल है क्या गजब भूपेश सरकार है। इससे स्पष्ट हो रहा है,कि कांग्रेस-भाजपा भाई-भाई,और गोंडवाना वाले करो आरी से सफाई। अब एमसीबी जिला में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का समय आ गया है जल्द एमसीबी से करेगी विदाई।

एक व्यक्ति एक ही समय में दो स्थान पर कैसे रह सकता है उपस्थित?

भूपेश सरकार में एक और अनोखा मामला आया सामने,मुख्यमंत्री सचिवालय के पत्र पर भी कोरिया जिला प्रशासन के द्वारा नहीं की गई निष्पक्ष कार्यवाही

» नियमित कालेज छात्र अध्ययन के दौरान ही एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना सोनहत में कैसे रह सकता है उपस्थिति?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर 03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तो वैसे बेमिसाल मुख्यमंत्री के रुप में जाने जाते हैं परंतु मौजूदा सरकार को आए दिन अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बदौलत कई तीखे सवालों का जबाब देने को बाध्य होना पड़ रहा है। यहां तक की कुछेक अधिकारियों और कर्मचारियों की वजह से विपक्ष और अन्य राजनैतिक दलों को उभर कर आने का मौका मिल रहा एंव मौजूदा सरकार को निकम्मा घोषित कराने का मौका दे रहे हैं। ताज़ा मामला कोरिया जिले का है जहां महिला एवं बाल विकास विभाग के एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना सोनहत में एक नियमित कालेज छात्र जय कुमार को रख दैनिक वेतनभोगी के रुप में कार्य लिया जा रहा है। यही वजह है कि महिला एवं बाल विकास विभाग आए दिन

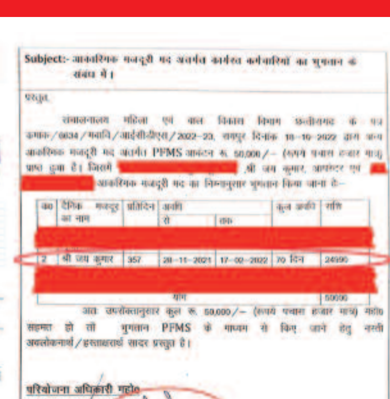

किसी न किसी कारणों से विवादों में घिरा हुआ नजर आता है। बताना चाहेंगे कि जय कुमार पिता राम बिलास संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा से संबंध रखने वाले स्थानीय शासकीय नवीन महाविद्यालय,सोनहत से वर्ष 2020-21 से बीएससी की परीक्षा नियमित छात्र के रुप में दें रहा है और वहीं एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना सोनहत में दैनिक वेतनभोगी के रुप में भी कार्य कर रहा है। इस बात की शिकायत कोरिया कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के साथ तमाम उच्च अधिकारियों से की जा चुकी है परंतु इस पर कोई कार्यवाही शासन के नुमाइंदों के द्वारा नहीं की जा रही। आखिर ऐसी कौन सी वजह है जिसके कारण एक नियमित छात्र की जांच कोरिया जिला प्रशासन करने में महीनों लगा रहा है।

क्या है यूजीसी?

यूजीसी यानी युनाईटेड ग्रांट कमीशन,यह एक आयोग है जहां से पूरे देश भर के सभी शासकीय और अशासकीय विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों को संचालित करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दाखिले और परीक्षा के संबंध क्या है यूज़ीसी के नियम?

यूजीसी यानी युनाईटेड ग्रांट कमीशन के निर्देशों के अनुसार किसी भी नियमित कालेज छात्र को कालेज में न्यूनतम 75 प्रतिशत की उपस्थिति दर्ज होने पर ही परीक्षा में सम्मिलित किया जा सकेगा।

क्या इन सवालों के उत्तर जिला प्रशासन दे पाएगा?

सवाल: कहीं प्रकरण की जांच का जिम्मा महिला एवं बाल विकास विभाग के कोरिया जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू को तो नहीं सौंपी गई है?

सवाल: अगर जांच का जिम्मा महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू को दी गई है तो कहीं वे जातिवाद के कारण तो जय कुमार के संबंध में जानबूझकर,संरक्षण देने के प्रयोजन से कार्यवाही में विलंब तो नहीं कर रहे?

सवाल: आखिर जय कुमार के एक नियमित छात्र होने के उपरांत भी जय कुमार कैसे पहुंचा एकीकृत महिला एवं बाल विकास विभाग के सोनहत परियोजना में,इसकी जांच कौन करेगा?

सवाल: किस अधिकारी ने एक नियमित कालेज छात्र को दैनिक वेतनभोगी के रुप में रखा? और एक नियमित कालेज छात्र को किसने कितना भुगतान किया?

सवाल: यूजीसी के निर्देशों के अनुसार अगर 75 प्रतिशत की उपस्थिति संबंधित महाविद्यालय में दर्शायी गई है तो फिर एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना सोनहत में कैसे?

सवाल: क्या अगर गलती हो भी गई तो उसे सुधारने का प्रयास प्रशासन के द्वारा किया गया और क्यों नहीं अब तक कोई ठोस कदम उठाया गया?

सवाल: कहीं जिला कार्यक्रम अधिकारी रमेश साहू और एकीकृत महिला एवं बाल विकास परियोजना सोनहत की परियोजना अधिकारी शशि जायसवाल की आपसी सांठ गांठ तो नहीं हो गई या फिर दोनों ही अधिकारियों को मुंह मांगी रकम मिल चुकी है जिस कारण से ही अब तक कोई ठोस कदम और जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को नहीं भेजी गई है?

क्या कहना है कलेक्टर का

दैनिक वेतनभोगी के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार दो साल का भुगतान कर दिया गया है और एक ही व्यक्ति के दो जगह की उपस्थिति को लेकर मुझे जानकारी नहीं है तथा हमने अपर मुख्य सचिव महोदय को एक सप्ताह पूर्व ही जबाब भेज दिया है तथा हमारी बात भी हो गई है।

दो से तीन बार पत्र लिखा जा चुका है...

वहीं इस संबंध में मुख्यमंत्री सचिवालय में पता करने पर जानकारी प्राप्त हुई कि कोरिया कलेक्टर को दो से तीन बार पत्र लिखा जा चुका है परंतु उनकी ओर से कोई जबाब अब तक प्राप्त नहीं हुआ है।

आखिर राजहंस बस क्यों होती है सबसे ज्यादा दुर्घटनाग्रस्त?

यात्रियों के विरोध करने पर बस मालिक और एजेंट करते हैं गुंडागर्दी,कहते हैं जाना है तो जाओ वरना दूसरा साधन देख लो !

» क्या अंतरराज्यीय चलने वाली राजहंस बस में यात्रियों को सफर करना खतरे से खाली नहीं?

» क्या राजहंस के मालिक सिर्फ पैसा कमाना ही उद्देश यात्रियों की सुरक्षा नहीं उनकी जिम्मेदारी?

» अंतरराज्यीय चलने वाली राजहंस बस बना रही है दुर्घटनाओं का नया कीर्तिमान

» उक्त कंपनी की बसें लगातार दुर्घटनाग्रस्त होने से झारखंड,बिहार और छत्तीसगढ़ के यात्रियों के लिए दहशत वाली खबर

» बस मालिक पैसे बचाने की जुगत में..नए नवेले ड्राइवरों से चलवा रहे है रात्रि कालीन बसे क्यों?

-रवि सिंह-

एमसीबी/अम्बिकापुर, 03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। राजहंस बस छत्तीसगढ़ में काफी प्रचलित मानी जाती है पर क्या इस बस में यात्रा करना यात्रियों के लिए घातक है? यह एक बड़ा सवाल यह सवाल इसलिए उत्पन्न हो रहा है क्योंकि इस समय इस बस में दुर्घटना की संख्या ज्यादा हो चली है, आखिर दुर्घटना के पीछे वजह क्या है? यह तो बस मालिक ही जाने पर यात्रियों के लिए मुसीबत बना हुआ है इस बस में यात्रा करना, सूत्रों का मानना है कि बस मालिक अपने नए नवेले ड्राइवरों को कहते हैं कि जल्द से जल्द यात्रियों को पहुंचाना है पर क्या जल्द से जल्द यात्रियों को पहुंचाने के चक्कर में यात्रियों को कहीं और तो नहीं पहुंचाना चाहते है यह भी एक बड़ा सवाल है, यात्रियों को सुरक्षा के साथ उनके दांपत्य तक पहुंचाने के उद्देश्य होना चाहिए बस मालिकों का, ना कि यात्रियों के लिए खतरा उत्पन्न होने वाले ड्राइवरों से वाहन चलवा कर यात्रियों के लिए परेशानी खड़ा करने का उद्देश्य होना चाहिए।

मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर की राजहंस कंपनी की बसें दुर्घटनाओं में लगातार हो रही बढ़ोतरी देखकर यात्रियों में भारी दहशत का माहौल है, बस मालिक यात्रियों के जान माल और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करना शुरू कर दिये है संचालक के अधिक पैसे कमाने की मंशा ने झारखंड और बिहार जाने वाले यात्रियों के मन में भय पैदा कर दिया है, जन चर्चा में यह बात आम हो चली है कि राजहंस बस में यदि सफर करना है तो पूरी तरह से जान जोखिम में डालकर ईश्वर का नाम जपते हुए यात्रा करना होगा, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस कंपनी की दर्जनों गाड़ियां कोयला कंपनी में चलती हैं उनमें से निकले हुए खलासी और अपरिपक्व ड्राइवरों नया अवसर देने के बहाने, निर्धारित दर से आधे दर में बस चलाने के लिए तैयार किया जाता है ये एंबुलेंस ड्राइवर तैयार भी हो जाते हैं फिर उनसे रांची, पटना, औरंगाबाद, गया तक बस चलवाई जाती हैं, नए नवेले ड्राइवरों के बस संचालन के कारण इस कंपनी की लगभग पिछले 1 साल में छोटी-बड़ी लगभग एक दर्जन से अधिक दुर्घटनाएं घट चुकी है, उस मार्ग पर जाने वाले यात्रियों में दहशत का माहौल व्याप्त है, रांची, औरंगाबाद, पटना, गया मार्गो में सिर्फ इसी बस कंपनी की सभी परमिट है पटना रांची मार्ग के सभी परमिटो को षड्यंत्र करके बैतूल ने खुद और अपने परिवार के नाम पर गलत तरीके से हथिया लिया है और अब मनमानी कर रहा है ये सभी मार्गो पर इन लोगों ने एक छत्रराज स्थापित कर लिए हैं, बस मालिक की मनमानी और अड़ियल रवैया के कारण यात्रियों को जान जोखिम में डालकर बड़ी मुश्किल में यात्रा करना पड़ रहा है, उस मार्ग के यात्रियों ने मुख्यमंत्री परिवहन मंत्री से लापरवाह और लालची बस मालिक पर सख्त कार्यवाही करवाने की मांग की है!

नियम विरुद्ध परिचालन

उल्लेखनीय है कि अंबिकापुर की राजहंस नामक बस कंपनी के संचालक अंबिकापुर निवास करते हैं बेतूल और उसका भांजा इरसात इन सभी बसों की देखरेख करते है, बस कंपनी में काम करने वाले एक कर्मचारियों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस बस का संचालन जब तक बैतूल करता था तो बसे बढ़िया व्यवस्थित ढंग से संचालित होती थी लेकिन जब से उसका सदैव विवादो में रहेने वाला भांजा बसों का संचालन करने लग गया है उस दिन से कंपनी की सभी बसों में मेंटेनेंस का भारी अभाव देखा जा रहा है इरसात के आने के बाद हम सभी कंपनी के पुराने स्टाफ को हटाकर नए-नए स्टाफ को कंपनी में भर्ती कीया जाने लगी है हम लोगो पर पैसा चोरी डीजल चोरी का आरोप लगाया जाता है कई बार हमारा इसको लेकर कंपनी के नए नवेले मालिक से विवाद भी हुआ है हमें जो पैसे दिए जाते थे उससे आधे पैसे में अकुशल और नशेड़ी ड्राइवरों ख्लासियो को तैयार कर बसें चलाई जा रही है और यही कारण है कि कंपनी इन दिनों दुर्घटनाओं का कीर्तिमान बना रही है कभी बस पेड़ और ट्रक में लड़ा दी जाती है तो कभी नदी में कूदा दी जाती है तो कभी तालाब में तैरा दी जाती है।

दुर्घटना नंबर 1

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 29 जनवरी 2023 को कोरबा से पटना जाने वाली बस सीजी 15 एबी 0706 अपने निर्धारित समय से काफी लेट चल रही थी, बस का चालक नशे में धुत था अंबिकापुर से कोरबा मार्ग पर पड़ने वाले मोरगा चौकी के पास या बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें एक महिला की मृत्यु हुई कई दर्जन लोग घायल हुए, चालक पहले एक भैंस को मारा और उसके बाद सीधे अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया, प्रतेक्षदर्शियो के मुताबिक बस काफी रफ्तार में थी और यात्रियों ने बताया कि बस चालक को जो अंबिकापुर से बस चलाना शुरू किया था, बार-बार मना करने पर भी वह काफी रफ्तार चला रहा था और जाकर सो जाने के लिए कह रहा था आप परेशान मत हो इए मैं लगातार इस रोड में बस चलाता हूं आप विश्वास रखें ऐसा विश्वास दिला कर उसने लोगों को जख्मी डाल दिया।

दुर्घटना नंबर 2

वही 31 अगस्त को सीजी 15 ए बी 306 बरियों के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें 4 लोग मौके पर ही मृत्यु हो गए और दर्जनों लोग घायल हो गए प्रत्यक्षदर्शियों एवं यात्रियों के मुताबिक एक ट्रक खड़ी थी लापरवाह चालक बड़े लापरवाही से बड़े रफ्तार से खड़े ट्रक में बस को मार दिया जिसमें 2 दर्जन से अधिक लोग घायल भी हुए थे।

दुर्घटना नंबर 3

मनेंद्रगढ़ से रांची चलने वाली एक बस जो अपने निर्धारित समय से छूट कर चरचा पहुंची थी पिकनिक मना कर एक दंपत्ति ऑटो में वापस लौट रहे थे बस का चालक बिल्कुल नया था उसने सीधे सीधे ऑटो कुचलते हुए आगे बढ़ गया 4 लोग किसी वहीं पर अंतिम सास ली और लापरवाह बस चालक के कारण आकस्मिक काल के गाल में समा गए।

दुर्घटना नंबर 4

20 अगस्त को इन बस चालकों ने एक बिल्कुल नया तरह का कारनामा कर डाला अंबिकापुर से पटना जाने के दौरान झारखंड के गढ़वा के पास बस को सीधे सड़क के किनारे पढ़ने वाले तलाब में ही कुदा दिया, रात्रि का समय था बस में यात्री पूरी तरह से सोए थे एकाएक तालाब में गाड़ी कूदने पर पूरे यात्री बस सही डूबने लगे किसी तरह आसपास के लोगों के एवं शासन प्रशासन के सहयोग से उन्हें निकाला गया चालक बिल्कुल नया था और नशे में डूबा था बताया जाता है कि इसी कंपनी में वह कभी खलासी गिरी करता था और अब वह इन बसों को अंतर राज्य मार्ग में संचालित करता है।

दुर्घटना नंबर 5

बीते 15 दिसंबर को पटना बिहार से बस छत्तीसगढ़ की तरफ आ रही थी ड्राइवर के मुताबिक टायर काफी पुराने लगे थे और काफी लंबे समय से चकों में गिरिसिंग कार्य भी नहीं किए गए थे, चका पटना में ही बस चलने के दौरान गर्म हो गया था जिसकी खबर चालक ने अपने मालिक इरशाट को दी थी हटधर्मी इरशाट ने ड्राइवर को धमकाया कि तुझे अब लगता है बस नहीं चलानी है तेरा मन भर गया है सही सलामत गाड़ी लेकर आ जाओ वरना कल से तुझे गाड़ी में नहीं भेजूंगा मजबूरन ड्राइवर गाड़ी लेकर के वहां से निकल पड़ा बस कुछ ही घंटे चली थी पूरी बस में आग लग गई और मिनटों में धू-धू कर करके जल गई किसी तरह यात्री अपनी जान बचा कर के बाहर आए लेकिन उन बेचारे यात्रियों का पूरा सामान जल गया सवाल यह उठता है कि चालक ने अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया? मालिक को पूरी बातें बताई लेकिन जिद्दी मालिक अपने लाभ के लिए यात्रियों के जान-माल का भी ध्यान नहीं देते, सिर्फ अपने लाभ के लिए लाखों रुपए का यात्रियों का सामान बर्बाद करा डाला जब यात्रियों ने उसके मुआवजे की मांग की तो बस मालिक ने यात्रियों को उल्टा ही धमका दिया कि आप लोगों ने ही बस में आग लगा दिया है मैं आप लोगों के विरुद्ध कंप्लेंट करूंगा बेचारे सीधे-साधे यात्री अपने आप पर गंभीर आरोप लगता देखकर शांत रह गए!

दुर्घटना नंबर 6

अंबिकापुर शहर के आकाशवाणी चौक पर बस क्रमांक सीजी 15 बीआर 1235 पटना से यात्रियों को लेकर अंबिकापुर आ रही थी बस बारात परमिट पर चलाई जा रही थी बस काफी रफ्तार में थी सीधे-सीधे ठोक दी जिसमें 4 लोग बेहद गंभीर रूप से घायल हुए थे जिन्हें राजधानी रेफर किया गया था जब लोगों ने उनके कार्यालय में जाकर बस चालक की लापरवाही बतानी चाहिए तो कार्यालय में बैठे लोग उनसे ही गुंडागर्दी करने लग गए और दोबारा कार्यालय में नहीं आने की बात कहने लगे।

दुर्घटना नंबर 7

मनेंद्रगढ़ से चिरमिरी बिना परमिट बस काजी निहाल नामक व्यक्ति को ठोक दी जिससे काफी चोटिल हुए महीनों इलाज होने के बाद जब वे बीमा कंपनी और न्यायालय के शरण में गए तो आज तक उन्हें बीमा कंपनी की तरफ से कोई राहत नहीं मिल पाई है और आज भी वह इस आस में बैठे हैं कि कंपनी उन्हें क्लेम देने में सहयोग करेगी लेकिन आज तक उनसे किसी ने उनका दर्द मिलेगा जहमत नहीं उठाई।

दुर्घटना नंबर 8

मनेंद्रगढ़ से रांची चलने वाली गाड़ी पिछले वर्ष कोरिया जिले के पढ़ने वाले ग्राम रौनाही में एक पेड़ से टकरा गई थी जिस में भी एक आदमी मारे जाने की खबर है काफी यात्री चोटिल हुए थे और सबने चालक की लापरवाही होना बताया था कोई नौसिखिया चालक था जो बैकुंठपुर से काफी रफ्तार बस चला रहा था जब लोगों ने बस चालक से बस की रफ्तार कम करने के लिए निवेदन किया तो बस चालक उन्हें फिल्मी डायलॉग बोलते हुए कहा कि तू ई चालक की मुई चालक डायलॉग मारकर कुछ दूर ही पहुंचा होगा कि वह बस सीधे-सीधे एक पेड़ से टकरा गई और यात्री में चीख-पुकार की आवाज फैल गई पुलिस पहुंची स्थानीय नागरिकों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के कार्य किया। इस के अलवा और भी छोटी मोटी दर्जनों घटनाएं लगातार इस कंपनी की बसों द्वारा किया जा रहा है, बिहार और झारखंड मार्ग में अपना दबदबा बना रखा है, अधिक पैसे कमाने की होड़ और दुर्योधन की तरह हटधर्मी सोच ने इसे अंधा बना डाला है और यही वजह है कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ लगातार खिलवाड़ किया जा रहा है।

बालको पुलिस ने 24 घंटे में कबाड़ चोर को किया गिरफ्तार

-राजा मुखर्जी-

कोरबा,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। आज बालको पुलिस ने प्रार्थी बालेश्वर अनंत पिता ए.एल. अनंत उम्र 45 साल सहायक यांत्रिकी विद्युत विभाग साकिन सब डिवीजनल कार्यालय छत्तीसगढ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित कटघोरा थाना कटघोरा में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी के विभाग के कनिष्ठ अभियंता छ. ग. राज्य स्टेट पावर इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड दर्री ग्रामीण सब्बीर साहू के द्वारा दिनांक 30.06.2023 के दरम्यानी रात ग्राम छातासरई अजगरबहार में लगे 550 मीटर के दूरी तक स्थित 11 नग लोहे के खम्भे कीमत 3,00000/- रू. को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर लिया गया है। घटना स्थल का निरीक्षण कनिष्ठ अभियंता सब्बीर साहू एवं पेट्रोलिंग ड्युटी पर कार्यरत कर्मचारी लक्ष्मी यादव, प्रवीण सिंह पोर्ते के साथ मौका स्थल जाकर चेक करने पर विभाग द्वारा लगाये 11 नग लोहे के खम्भे कीमत 3,00000 /- रूपये को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी होना पाया गया। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 370 / 2023 धारा 379,34 भादवि कायम कर वरिष्ट अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया । पुलिस अधीक्षक कोरबा यू उदय किरण के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बालको सनत सोनवानी के नेतृत्व में बालको पुलिस टीम त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों की पता तलाश एवं धर पकड़ में जुट गई। जो मुखबीर से सूचना मिला कि जसविन्दर सिंह पिता स्व. मुख्तार सिंह उम्र 23 साल साकिन परसाभाठां थाना बालकोनगर एवं उनके साथियों के द्वारा चोरी किये है जिस पर पुलिस टीम जसविन्दर को घेराबंदी कर पकड़े। जिसे हिकमतअली से पूछताछ करने पर अपने साथियों अनवर इम्तियाज, विनोद, रवि एवं अन्य के साथ ग्राम छातासरई रोड में बिजली खम्भे को गैस कटर से काट कर चुरा ले जाना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया मनीष पटेल के 407 माजदा वाहन सीजी 12/9698 में बिजली खम्भा 11 नग को काटकर 33 टुकडो में काटकर माजदा वाहन में लोड किये थे अधिक वजन होने से वाहन कीचड़ में फंस गया था जो नही निकलने से दूसरा वाहन मंगाकर चोरी किये लोहे के खम्भे को ले जाना स्वीकार किये । अन्य अरोपी अनवर खान पिता मुख्तार खान उम्र 30 साल साकिन मुडापार बाजार, इम्तियाज अंसारी पिता अलीमुद्दीन अंसारी उम्र 19 साल साकिन रफ्ता थाना श्यांग जिला कोरबा, विनोद कुमार अदिले पिता आनंद राम आदिले उम्र 32 साल साकिन बेलगरी बस्ती बालकोनगर, भागवत दास कुलदीप पिता स्व. निर्मल दास कुलदीप उम्र 38 साल साकिन शहीद वीर नारायण स्कूल के पास भदरापारा बालकोनगर इन सभी को पकड़कर पूछताछ करने से चोरी करना स्वीकार किया । आरोपियों से एक टाटा कंपनी के 407 माजदा वाहन क्रमांक सीजी 04 जेबी 4904 में भरा हुआ 33 नग लाहे की खंभा का टुकड़ा 03 नग ऑक्सीजन सिलेण्डर लोहे का कास आर्म स्टे तार एवं एन्सुलेटर लगभग 300000 रू एवं घटना स्थल से माजदा वाहन क सीजी 12 9698 जप्त किया गया है । आरोपियों को अपराध क-370 /2023 धारा 379,34 भादवि विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है । अन्य आरोपी फरार है जिनकी पता तलाश जारी है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी बालको निरीक्षक सनत सोनवानी, सउनि नीलम केरकेटटा, मोती लाल डनसेना आरक्षक अनिल साहू, राजेन्द्र यादव, हरिश मरावी, चन्द्र प्रकाश कोर्राम, हिमांचल कंवर, शिव कुमार पैकरा, कृष्णा मरावी, शत्रुहन बंजारे, उमेश दुबे, सायबसेल से प्र. आर. गुना राम सिन्हा , आर. आलोक टोप्पो, सुशील यादव, रितेश शर्मा, सैनिक रामकृष्ण सोनवानी, शामिल रहे।

बकरे की आंख गले में फंस जाने से अधेड़ की मौत

-संवाददाता-

सूरजपुर,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। बकरे की मुंडी खाने की कीमत अधेड़ को जान देकर चुकानी पड़ी है। घटना जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पर्री में बीती शाम हुई है। बताया गया है कि जिले के रामानुजनगर क्षेत्र के ग्राम पंचायत मदनपुर का 50 वर्षीय बागर साय रविवार को गांव के अपने अन्य साथियों के साथ खोपा धाम गया था। जहां से बकरा का मुंडी लाकर जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम पर्री में खाने के लिए बनाये थे। खाने के दौरान बागरसाय बकरा का आंख बड़े चाव से खा ही रहा था कि अचानक आंख गले में फंस गया जिसके बाद वह तड़पने लगा। जिसे वहां मौजूद उसके अन्य साथियों द्वारा उपचार हेतु यहां जिला अस्पताल लाया। अस्पताल में त्वरित उपचार नहीं मिल पाने के कारण तड़प रहे बागरसाय की मौत हो गई।

सूरजपुर एएसपी मधुलिका सिंह को स्थानान्तरण पर दी गई विदाई

-संवाददाता-

सूरजपुर,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। जिले में बेहतर पुलिसिंग कर अपनी एक खास पहचान बनाने तथा सदैव अपने कार्यो के प्रति जवाबदेह रहे एएसपी सूरजपुर मधुलिका सिंह को स्थानान्तरण पर पुलिस परिवार सूरजपुर के द्वारा सोमवार को विदाई देते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। विदित हो कि बीते दिन उनका इस जिले से स्थानान्तरण अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला धमतरी के पद पर हुआ है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आई कल्याण ऐलिसेला ने कहा कि एएसपी मधुलिका सिंह अच्छी पुलिस अधिकारी है, सभी से बेहतर समन्वय बनाकर अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन लगन व सतर्कता के साथ निभाया। जिले में बेहतर कार्य कर अपनी विशेष पहचान बनाया तथा पुलिस के अभियानों में इनकी सक्रियता दिखती थी इससे लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और बढ़ा है। पुलिस अधीक्षक ने नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु, एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, डीएसपी एम्मानुएल लकड़ा सहित जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी मौजूद रहे।

संविदा कर्मियों के हड़ताल से दफ्तरों के काम काज ठप्प

-संवाददाता-

सूरजपुर,03 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर सोमवार से छग सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले संविदाकर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इस आंदोलन में राज्यभर के करीब 45 हजार संविदा कर्मचारी शामिल हैं। कांग्रेस के द्वारा नियमितीकरण का वादा पूरा नहीं करने की वजह से कर्मचारियों ने आंदोलन का रुख अख्तियार किया है। संविदा कर्मियों की इस हड़ताल में स्वास्थ्य, मनरेगा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, कृषि, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग, प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना सहित अन्य विभाग के कर्मचारी शामिल हैं। जिसकी वजह से दफ्तरों के काम काज प्रभावित हुए हैं। आंदोलनरत कर्मचारियों ने बताया कि बीते साढ़े 4 सालों में सरकार के द्वारा किये गए नियमितीकरण के वादे को पूरा कराने के लिए कई बार कर्मचारी संगठन आंदोलन कर चुके हैं। कर्मचारी नेताओं ने आरोप लगाया है कि इनके द्वारा कई बार बातचीत की पहल करने के बावजूद प्रशासनिक अफसरों ने कोई चर्चा नहीं की और ना ही इनकी मांगों पर ध्यान दिया। जिसके कारण मजबूर होकर उन्हें अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है।

छत्तीसगढ़ सर्व विभागीय संविदा कर्मचारी महासंघ ने 16 मई को जांजगीर जिले कि शिवरीनारायण से संविदा नियमितीकरण रथ यात्रा निकाली थी। यह रथयात्रा 33 जिलों से गुजरी। सभी जिला कलेक्टरों और 90 विधानसभा इलाकों में 90 विधायकों से मिलकर कर्मचारी उन्हें अपनी समस्या बताते रहे। मगर एक ने इनकी नहीं सुनी। कर्मचारियों का आरोप है कि 90 विधायकों को ज्ञापन सौंपने के बाद भी संवेदनहीनता की स्थिति बनी जिसकी वजह से अब अनिश्चितकालीन हड़ताल करनी पड़ रही है। सर्व संविदा कर्मचारी जिला संयोजक ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि संविदा कर्मचारियों से साल 2018 के चुनाव के समय जन घोषणा पत्र लाकर कांग्रेस ने वादा किया, कि सरकार बनने के कुछ ही दिन बाद सभी को नियमित कर दिया जाएगा। 4 साल 6 महीने बीत जाने के बाद भी यह वादा अधूरा है जिसका विरोध लोकतांत्रिक ढंग से कर्मचारी कर रहे हैं। सोमवार को महिला कर्मचारियों के द्वारा नियमितीकरण की मांग के लिए विभिन्न प्रकार के रंगोली अपने हाथों पर लगा कर शासन तक पहुंचाया गया।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-जयनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती नन्दनी सिंह आ. रामप्रसाद, जाति-क्षत्रिय, निवासी ग्राम जयनगर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा अपने अधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि द्वारा उनके अधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम जयनगर प.ह.नं. 05 रा.नि.मं. विश्रामपुर, तहसील लटोरी स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा 58. रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 04.07.2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा,/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा,आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28.06.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तत्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

रा.प्र.क्र./अ-2/2022-23

ईश्तहार

एत द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-महगवां को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री लोकेश कुमार सिंह आ. जुगेन्द्र सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम पीढ़ा तहसील व जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा उनके अधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम महगवां प.ह.नं. 10 रा.नि.मं. सूरजपुर तहसील सूरजपुर स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्रमांक 296/2 रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है ।

इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में दिनांक 07.07.2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा,/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा,आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 30.06.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्त्तत्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः 202306020700044

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
नवागढ़ प.ह.न. 00013 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-सोमारू कोरवा ,
अनावेदक पक्षकार- प्रतिभा प्रभाकर,

ईश्तहार

आवेदक सोमारू कोरवा आ0 अमर साय जाति कोरवा निवासी ग्राम उदारी तहसील लुण्ड्रा जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम नवागढ स्थित खसरा नंबर 192/8 रकबा 0.032 हे0 भूमि को अनावेदक प्रतिभा प्रभाकर पति मोहन राम प्रभाकर निवासी ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास राशि रूपये 10,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी अधिकारी रा0 अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10.07.2023 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/06/2023 को जारी किया जाता है ।

सील — तहसीलदार सरगुजा (अम्बिकापुर)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजकिशोरी पत्नी बिजेंद्र नाथ सिंह निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 478/18 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक बबिता सिंह पत्नी संजीव कुमार सिंह निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास अंकन राशि रूपये 7,00,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 07/07/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिभाषक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 01/06/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार अम्बिकापुर,सरगुजा

CMYK

90 मीटर का कोई दबाव नहीं, विश्व चैम्पियनशिप से पहले फिटनेस पर फोकस : नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली ,03 जुलाई 2023। पिछले सप्ताह लुसाने डायमंड लीग जीतने वाले ओलंपिक भालाफेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने सोमवार को कहा कि अगस्त में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले शारीरिक और मानसिक फिटनेस पर फोकस रहेगा लेकिन 90 मीटर की बाधा पार करने का कोई दबाव नहीं है। मांसपेशियों में खिंचाव के कारण तीन शीर्ष स्पर्धाओं में भाग नहीं लेने वाले चोपड़ा ने डायमंड लीग के लुसाने चरण में वापसी करते हुए पिछले सप्ताह 87.66 मीटर की दूरी के साथ लगातार दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने पांच मई को दोहा में अपने करियर के चौथे सर्वश्रेष्ठ 88.67 मीटर के थ्रो के साथ सत्र की शुरुआती डायमंड लीग जीती थी।

उन्होंने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा कराई गई वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा ,'' शारीरिक और मानसिक रूप से दोहा की तुलना में लुसाने में काफी कठिन था क्योंकि बीच में चोटिल होने के कारण पूरा फोकस उस पर रह गया था। सत्र के बीच में चोट लग जाने पर रिकवरी पर फोकस चला जाता है।'' उन्होंने कहा ,'' बीच में मैने तीन कांटिनेंटल गोल्ड स्तर के टूर्नामेंट छोड़े जहां मौसम अच्छा था और मैं 90 मीटर की बाधा पार कर सकता था लेकिन इसका कोई दबाव नहीं है। अभी एशियाई खेल और विश्व चैम्पियनशिप होनी है तो जिस दिन परिस्थितियां बनेंगी, 90 मीटर का थ्रो लग जायेगा। लुसाने के मौसम को देखते हुए प्रदर्शन अच्छा रहा।'' उन्होंने कहा कि अब उनका फोकस 19 से 27 अगस्त तक हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में सौ प्रतिशत फिट रहकर उतरने पर होगा। चोपड़ा ने कहा ,'' अभी तक मैने विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण नहीं जीता है और इस बार इस कमी को पूरी करने के लिये काफी मेहनत करनी है। फोकस शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढता पर रहेगा। उससे पहले टूर्नामेंटों का चयन भी काफी सोच समझकर करना है ताकि चोटमुक्त रहूं और फिटनेस भी बरकरार रहे।'' चोपड़ा ने 2022 में अमेरिका के यूजीन में विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। अपने प्रदर्शन में निरंतरता का श्रेय आत्मविश्वास को देते हुए उन्होंने कहा ,'' मुझे इतना तो यकीन रहता ही है कि छठे थ्रो तक मैं हार नहीं मानूंगा और कई बार आखिरी थ्रो में बाजी पलट जाती है।

यह आत्मविश्वास फिटनेस और अभ्यास से आता है और इसी की वजह से दबाव महसूस नहीं होता।'' चोपड़ा आमतौर पर शुरुआती दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं लेकिन शुक्रवार को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए उन्हें पांचवें प्रयास का इंतजार करना पड़ा। चौथे दौर की समाप्ति तक वह दूसरे स्थान पर थे। इस बारे में उन्होंने कहा ,'' जितने भी शीर्ष खिलाड़ी हैं, वे सभी आखिरी थ्रो तक खुद को तैयार रखते हैं। मैने भुवनेश्वर में एशियाई चैम्पियनशिप में छठे थ्रो पर स्वर्ण पदक जीता था। मुझे इतना यकीन रहता है कि पहले थ्रो अच्छे नहीं भी गए तो आखिर में तो भरपाई कर ही लूंगा।'' चोपड़ा अपनी तकनीक में बहुत बदलाव के समर्थक नहीं है लेकिन सुधार के प्रयास जारी रखते हैं।

उन्होंने कहा ,'' मैं तकनीक में बदलाव नहीं करता क्योंकि मेरा शरीर उसके अनुरूप ढल चुका होता है। सुधार की कोशिश लगातार करता रहता हूं बाकि तो सारा माइंड गेम है। बस सकारात्मक सोच रखना जरूरी है।'' डायमंड लीग फाइनल सितंबर के बीच में होना है और उसके बाद चोपड़ा को एशियाई खेलों में भाग लेना है लिहाजा वह चुनकर ही टूर्नामेंट खेलेंगे। उन्होंने कहा ,'' अभी मैने तय नहीं किया है कि मोनाको में खेलूंगा या नहीं। वैसे मुझे डायमंड लीग के 16 अंक (दोहा और लुसाने दोनों में आठ) मिल चुके हैं जो फाइनल के लिये काफी होंगे। अभी लगातार खेलता रहा तो विश्व चैम्पियनशिप तक फिटनेस पर असर पड़ सकता है।'' उन्होंने कहा ,'' एशियाई खेलों के बाद पेरिस ओलंपिक में आठ से दस महीने का समय ही है तो अभ्यास जल्दी शुरू करना होगा। तोक्यो ओलंपिक के बाद मैने लंबा ब्रेक ले लिया था लेकिन वह गलती अब नहीं दोहरानी है।'' एशियाई खेलों में पाकिस्तान के अरशद नदीम से मुकाबले के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा ,'' मैं इसे भारत . पाकिस्तान के नजरिये से नहीं देखता। मेरा फोकस अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहता है और मैं उम्मीद करता हूं कि प्रतिस्पर्धा अच्छी रहेगी ताकि हम एक दूसरे को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये प्रेरित कर सकें।

भारत पेनाल्टी शूटआउट में लेबनान को 4-2 से हराकर फाइनल में पहुंचा

बेंगलुरु,03 जुलाई 2023। यहां के श्री कांतिरावा स्टेडियम में खेले गए सैफ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल मैच में गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने पेनल्टी शूटआउट में बचाव किया, जिससे भारत ने अतिरिक्त समय में गोल रहित ड्रॉ के बाद टाईब्रेक में लेबनान को 4-2 से हरा दिया। इस जीत ने मेजबानों को प्रतियोगिता के शिखर मुकाबले में अपना स्थान पक्का कर लिया, जहां उनका मुकाबला कुवैत से होगा।

भारत मंगलवार को श्री कांतीरावा स्टेडियम में कुवैत के खिलाफ अपने सैफ चैम्पियनशिप खिताब की रक्षा करेगा। गुरप्रीत ने माटौक द्वारा लेबनान के लिए पहला पेनल्टी बचाया, जिससे भारतीय पेनल्टी लेने वालों को अपने स्पॉट-किक को नेट के पीछे डालने का आत्मविश्वास मिला। छेत्री, अनवर, महेश और उदांता ने भारत के लिए अपने पहले चार पेनल्टी को गोल में बदला, जबकि वालिद शौर और मोहम्मद सादेक ने लेबनान के लिए किक मारी। खलील बदर ने लेबनान के लिए चौथा और आखिरी पेनल्टी स्टैंड में भेजा, जिससे भारत फाइनल में पहुंच गया।

पिछले महीने इंटरकांटिनेंटल कप में लेबनान और भारत का दो बार आमना-सामना हुआ, जिसमें भारत ने दो बार क्लीन शीट बरकरार रखी और एक टाई जीती। सीडर्स ने सैफ चैंपियनशिप सेमीफाइनल की शुरुआत काफी जोश के साथ की।

भारत के लिए स्ट्राइकर रहीम अली और मुख्य कोच इगोर स्टिमैक भी गायब थे, दोनों को कुवैत के खिलाफ अपने आखिरी मैच में बाहर भेज दिया गया था।

दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर सके।

छह-यार्ड बॉक्स में खेले जाने के बाद, नादेर मटर के पास पहले मिनट में ही लेबनान को बढ़त दिलाने का मौका था। हालाँकि, उनकी वॉली में नियंत्रण की कमी थी और बेंगलुरु की रात में उड़ गई।

जैन अल अबिदीन फ़रान के पास शुरुआती आदान-प्रदान में एक और मौका था, लेकिन भारत के कीपर

गुरप्रीत सिंह संधू इस बार लेबनान के रास्ते में खड़े थे।

शुरुआती तूफ़ान का सामना करते हुए भारत ने खेल की गति को बदलने की कोशिश की, क्योंकि उन्होंने गेंद को अपने पास रखने और गति को धीमा करने की कोशिश की। महताब ने शुरुआती बुकिंग हासिल कर ली, क्योंकि उन्होंने हसन माटौक को बाहर रखने की कोशिश की।

ब्लू टाइगर्स ने जल्द ही अपने सिस्टम को बदल दिया, कब्जे में रहते हुए जेकसन सिंह को दो सेंटर-बैक के बीच पीछे धकेल दिया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जब वे कब्जे से बाहर हो गए थे तब उन्होंने वास्तव में लेबनान पर शिकंजा कस दिया था और कप्तान सुनील छेत्री के नेतृत्व में आगे बढ़कर दबाव बनाया। निर्धारित समय से तीन मिनट पहले भारत बढ़त लेने के करीब पहुंच गया था, तभी महेश नाओरेम का एक खतरनाक कॉर्नर जैन के सिर पर लगा और गेंद लकड़ी से जा टकराई। रेफरी द्वारा लंबी सीटी बजाने से पहले उदांता सिंह ने जल्द ही इंजुरी टाइम में आशिक कुरुनियान की जगह ले ली, जिसका मतलब था कि दोनों टीमों के पास मामले का फैसला करने के लिए 30 मिनट का समय और होगा।

38 वर्षीय सुनील छेत्री ने अतिरिक्त समय की शुरुआत में लेबनान बॉक्स में अपना रास्ता बना लिया, लेकिन लेबनान के कीपर खलील उन्हें बाहर रखने के लिए तैयार थे। कुछ मिनट बाद उदांता के क्रॉस पर भारतीय कप्तान ने क्रॉस-बार पर शॉट लगाया, स्कोर अभी भी स्थिर थे।

अतिरिक्त समय के दूसरे भाग में स्थिति बदल गई और लेबनान को भारत पर बढ़त मिल गई। स्थानापन्न खिलाड़ी खलील बदर को लंबी दूरी से एक झटका लगा, जिससे उनका प्रयास व्यापक हो गया। माटौक भी दाहिनी ओर से एक क्रॉस भेजने के कारण खतरनाक स्थिति में आ गया था, लेकिन मेहताब सिंह इसे साफ़ करने के लिए तैयार थे।

हालांकि, भारत ने धीरे-धीरे वापसी करना शुरू कर दिया और रोहित ने एक शानदार जवाबी हमला शुरू किया, जिससे उदांता लेबनान बॉक्स में प्रवेश कर गया। रियल एस्टेट खत्म होने से पहले उन्होंने कुछ स्टेपओवर बेचे, क्योंकि लेबनान के कीपर खलील गेंद को दबाने के लिए अपनी लाइन से बाहर आ गए।

लेबनान ने आसन्न पेनल्टी शूटआउट की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त समय के इंजुरी टाइम में मेहदी खलील के स्थान पर स्थानापन्न गोलकीपर अली सबेह को मैदान पर बुलाया। दोनों टीमें जल्द ही समय से बाहर हो गईं, क्योंकि रेफरी ने अपनी सीटी बजाकर मैच को खतरनाक पेनल्टी शूटआउट में भेज दिया, जो अंततः गुरप्रीत सिंह संधू की वीरता की बदौलत भारत ने मैच जीत लिया।

यूक्रेन,इस्राइल,स्पेन ने पेरिस ओलंपिक पुरूष फुटबॉल के लिये क्वॉलीफाई किया

पेरिस ,03 जुलाई 2023। इस्राइल और स्पेन ने पेरिस ओलंपिक 2024 की पुरूष फुटबॉल स्पर्धा के लिये क्वालीफाई कर लिया क्योंकि इंग्लैंड ने अंडर 21 यूरोपीय चैम्पियनशिप क्वार्टर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया। यूक्रेन ने फ्रांस को आखिरी क्वार्टर फाइनल में 3 . 1 से हराया। फ्रांस मेजबान होने के नाते ओलंपिक के लिये स्वतः क्वालीफाई कर चुका है। इस्राइल और स्पेन ने अंडर 21 यूरो के जरिये क्वालीफाई किया। इंग्लैंड ने पुर्तगाल को 1 . 0 से हराया था लेकिन ब्रिटेन का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकेगा।

ब्रिटेन की ओलंपिक टीम में उत्तरी आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स भी पुरूष फुटबॉल में शामिल हैं। यूक्रेन पर हमले के कारण रूस को युएफा में खेलने की अनुमति नहीं मिली और अंडर 21 यूरो के क्वालीफाइंग ग्रुप से वह बाहर रहा। ओलंपिक पुरूष फुटबॉल अंडर 23 टूर्नामेंट है जिसमें हर टीम में तीन इससे अधिक उम्र के खिलाड़ी खेल सकते हैं।

जिम्बाब्वे को हराकर श्रीलंका ने किया क्वॉलीफाई

बुलावायो,03 जुलाई 2023। महीष तीक्षणा (25/4) और दिलशन मदुशंका (15/3) की उत्कृष्ट गेंदबाजी के बाद पथुम निसंका (101 नाबाद) के शानदार सैकड़े की बदौलत श्रीलंका ने विश्व कप चालीफायर के सुपर-6 चरण में ज़िम्बाब्वे को नौ विकेट से हराकर मुख्य टूर्नामेंट में जगह बना ली। मेज़बान ज़िम्बाब्वे टॉस हारकर बल्लेबाज़ी करते हुए 165 रन पर ऑलआउट हो गयी। श्रीलंका ने यह लक्ष्य 33.1 ओवर में हासिल कर भारत में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले विश्व कप के लिये क्वॉलीफाई कर लिया।

ज़िम्बाब्वे अब तक हरारे में खेले गये मैचों में विपक्षी टीमों पर हावी रही थी, लेकिन बुलावायो के क्वीन्स स्पोर्ट्स क्लब में वह अपना प्रदर्शन बरकरार नहीं रख सकी। शुरुआती तीन विकेट मात्र 30 रन पर गिरने के बाद शॉन विलियम्स और सिकंदर रज़ा ने चौथे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी बुनी। यह साझेदारी टूटने के बाद मेज़बान टीम कभी भी लय हासिल नहीं कर सकी। विलियम्स ने 57 गेंद पर छह चौकों और एक छक्के के साथ 56 रन बनाये, जबकि रज़ा ने 51 गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाकर 31 रन का योगदान दिया। तीक्षणा ने 8.2 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिये, जबकि मदुशंका ने पांच ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट चटकाये। मतीशा पथिराना ने दो और दसुन शनाका ने एक विकेट लेकर ज़िम्बाब्वे को 32.2 ओवर में 165 रन पर समेट दिया। ज़िम्बाब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के लिये चुनौतियां खड़ी करनी चाहीं, लेकिन निसंका ने आक्रामक बल्लेबाजी कर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सबसे पहले डिमुथ करुणारत्ने (56 गेंद, 30 रन) के साथ पहले विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी की। करुणारत्ने का विकेट गिरने के बाद निसंका और कुसल मेंडिस ने दूसरे विकेट के लिये 66 रन जोड़े। निसंका ने 33वें ओवर की पहली गेंद पर चौका जड़ते हुए अपना शतक भी पूरा किया और श्रीलंका को विश्व कप में प्रवेश भी दिलाया। निसंका ने 102 गेंद पर 14 चौकों की सहायता से नाबाद 101 रन बनाये, जबकि मेंडिस 42 गेंद पर 25 रन बनाकर नाबाद रहे।

त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स ग्लोबल शतरंज लीग चैंपियन बने

दुबई ,03 जुलाई 2023। डेनमार्क के ग्रैंडमास्टर योनास जेयर ने 'सडन डेथ' मुकाबले में अपग्रेड मुंबा मास्टर्स के जोवाखीर सिंदारोव को हराकर त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स को पहली ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का खिताब दिलाया। तीन चरण के टाईब्रेक के जरिए विजेता का फैसला किया। रेपिड बाजी के दो दौर ड्रॉ रहे जबकि इसके बाद ब्लिट्ज बाजी के दो दौर भी बराबरी पर छूटे। चैंपियन का फैसला अंततः सडल डेथ ब्लिट्ज बाजियों की श्रृंखला के साथ हुआ जहां चौथी बाजी में फैसला आया।

टूर्नामेंट के सबसे अनुभवहीन खिलाड़ियों में शामिल रहने के अलावा अपने अधिकांश मुकाबले गंवाने वाले जेयर ने हालांकि सबसे महत्वपूर्ण लम्हे पर टीम के लिए जीत दर्ज की।

हॉकी इंडिया एचआईएल को 2024 या 2025 में नये रूप में शुरू करने की तैयारी में

नयी दिल्ली ,03 जुलाई 2023। हॉकी इंडिया सात साल के अंतराल के बाद फ्रेंचाइजी-आधारित लीग को पुनर्जीवित करने की कोशिश में है जिससे बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) अगले साल या 2025 की शुरुआत में एक नये अवतार में शुरू हो सकती है। एचआईएल को 2017 में वित्तीय मुद्दों और टीम मालिकों के असहयोग के कारण निलंबित कर दिया गया था। हॉकी इंडिया इस लीग को पेरिस ओलंपिक के बाद आयोजित करने की योजना बना रहा है जिसमें पहली बार महिलाओं के मुकाबले भी होंगे। पूर्व ओलंपियन दिलीप टिर्की के नेतृत्व में हॉकी इंडिया ने एचआईएल के माध्यम से उभरते हुए खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करके देश में हॉकी परिदृश्य को फिर से जीवित

करने की योजना बनाई है।

हॉकी इंडिया ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से अगले साल टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए विंडो (समय) की मांग की है और वह इस खेल के वैश्विक निकाय से प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। टिर्की ने 'पीटीआई-भाषा' से विशेष बातचीत में कहा, '' हमें अभी तक कोई विंडो नहीं मिली है, लेकिन हमने एफआईएच से एक विंडो मांगी है। हमने ओलंपिक के बाद अगले साल दिसंबर या 2025 जनवरी में एक विंडो मांगी है।'' उन्होंने कहा, '' हमें अब भी एफआईएच से आधिकारिक जवाब का इंतजार है। उन्होंने कहा, ''हम इस बार पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए एचआईएल आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

जॉन अब्राहम की द डिप्लोमैट की रिलीज डेट का ऐलान

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम पठान में खलनायक की भूमिका निभा लोगों का दिल जीतने के बाद अब अपनी नई फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। अभिनेता अब जल्द ही शिवम नायर के निर्देशन में बनी द डिप्लोमैट में नजर आएंगे, जिसके रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर प्रभास की प्रोजेक्ट के से टकराएगी, जो उसी दौरान रिलीज हो रही है। ऐसे में दोनों फिल्मों के बीच की भिड़ंत देखना काफी दिलचस्प होगा।

जॉन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर साझा करते हुए इसकी रिलीज डेट की घोषणा की है, जो काफी दमदार लग रहा है। पोस्टर मे जॉन सूट पहने हुए जेब में हाथ डाले नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, कुछ युद्ध युद्धक्षेत्र के बाहर भी लड़े जाते हैं। एक नए तरह के हीरो के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि हाई-ऑक्टेन ड्रामा द डिप्लोमैट को रिलीज डेट मिल गई है। यह फिल्म दुनियाभर में 11 जनवरी, 2024 को रिलीज होगी।

द डिप्लोमैट 11 जनवरी को रिलीज हो रही है तो इसके अगले ही दिन 12 जनवरी को प्रोजेक्ट के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ऐसे में दोनों फिल्म के बीच बॉक्स ऑफिस पर कांटे की टक्कर देखने को मिल सकती है। प्रोजेक्ट के में प्रभास के साथ पहली बार दीपिका पादुकोण नजर आएंगी तो अमिताभ बच्चन और कमल हासन भी मुख्य भूमिका में हैं। नाग अश्विन की इस फिल्म की फिलहाल शूटिंग चल रही है।

फिल्म द डिप्लोमैट एक भारतीय राजनयिक के पाकिस्तान से भारतीय लड़की को वापस लाने के प्रयासों की सच्ची कहानी पर आधारित है। इस फिल्म में जॉन इस्लामाबाद में भारत के पूर्व उप उच्चायुक्त जेपी सिंह की भूमिका में नजर आएंगे। नायर की द डिप्लोमैट को टी-सीरीज, जेए एंटरटेनमेंट, वाकाऊ फिल्म्स, फॉर्च्यून पिक्चर्स, सीता फिल्म्स द्वारा निर्मित किया गया है। इसके अलावा रितेश शाह ने इस हाई-ऑक्टेन ड्रामा फिल्म की पटकथा लिखी है।

जॉन 2019 में आई एक्शन थ्रिलर बाटला हाउस के बाद एक बार फिर निखिल आडवाणी के साथ बड़े पर्दे पर लौटने की तैयारी में हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेता आडवाणी की सच्ची घटनाओं से प्रेरित अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म उनके साथ शरवरी वाघ और अभिषेक बनर्जी भी मुख्य भूमिका में होंगे। इसके अलावा अभिनेता मानुषी छिल्लर के साथ दिनेश विजान की तेहरान का भी हिस्सा हैं, जो इसी साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

खुली जुल्फें...हाथ में छाता लिए हुमा कुरैशी का मानसून लुक हुआ वायरल, मुस्कुराहट से जीता फैंस का दिल

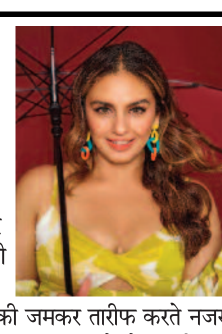

36 वर्षीय बॉलीवुड एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक बार फिर अपने लुक को लेकर सुर्खियां बटोर रहीं हैं। हाल ही में हुमा ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह हाथ में छाता पकड़े हुए नजर आ रही है। इन तस्वीरों में हुमा कुरैशी का अंदाज भी फैंस को काफी पसंद आ रहा है और वो उनके लुक की जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं। 36 वर्षीय एक्ट्रेस हुमा कुरैशी एक्टिंग के साथ-साथ अपने स्टाइलिश लुक्स को लेकर भी सुर्खियों में बनी रहती हैं। हुमा कुरैशी अपने फैंस से कन्केटेड रहने के लिए अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के होश तक उड़ा गए। इन तस्वीरों में फैंस को हुमा कुरैशी का अंदात बेहद पसंद आ रहा है और वो उनके लुक की जमकर तारीफ करते नजर आ रहा हैं। हुमा ने जो लेटेस्ट फोटोशूट कराया है उसमें उनका मानसून लुक देखने को मिल रहा हैं। व्हाइट और येलो कलर की प्लंजिंग नेकलाइन वाली ब्रालेट के साथ पलाजो में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी बेहद हॉट एंड खूबसूरत लग रही हैं। हाथ में छाता लिए हुमा कुरैशी कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज देती नजर आ रही है, फैंस भी उनके इस लुक की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। मल्टीकलर ईयरिंग्स, खुली जल्फें और यूं मुस्कुराना...हुमा कुरैशी का ये अंदाज फैंस का दिल लूट रहा है। डीपकट टॉप में हुमा कुरैशी इतनी हसीन लगी रही हैं, उनकी तस्वीरों को देखकर आप भी अपना दिल हार जाएंगे। इन तस्वीरों में अपने लुक को शानदार बनाने के लिए एक्ट्रेस ने मेकअप भी मिनिमम रखा है।

अर्जुन कानूनगो, शर्ली सेतिया नए एल्बम इंडस्ट्री 2 के लिए साथ आए

गायक-अभिनेता अर्जुन कानूनगो अपने एल्बम इंडस्ट्री के दूसरे वर्जन के साथ वापसी कर रहे हैं। इंडस्ट्री 2 टाइटल वाले इस एल्बम में वह शर्ली सेतिया के साथ काम करते नजर आएंगे। एल्बम में टोक्यो में फिल्माए गए संगीत वीडियो हैं, जो भाषा की बाधा को तोड़ते हैं, जिसके कारण भारतीय कलाकार वहां शूटिंग करने से बचते थे। टोक्यो में शाटिंग करने के उनके फैसले ने उन्हें इस जीवंत और आश्चर्यचकित कर देने वाले शहर को जानने का मौका दिया। इसने व्यापक अंतराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचने के दरवाजे भी खोले। शर्ली सेतिया ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा कि अर्जुन के साथ इंडस्ट्री 2 पर काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। हमने कुछ बहुत खास बनाया है, लेकिन अपने फैंस के लिए सबसे प्रामाणिक अनुभव लाने के लिए एक बिल्कुल नए देश में घंटों मेहनत की है। उन्होंने आगे जिक्र किया, सबसे अच्छी और मेहनती टीम के साथ टोक्यो में शूटिंग करना निश्चित रूप से मेरे लिए इस एल्बम का हिस्सा बनाना सबसे अच्छा रहा। इंडस्ट्री 2 मेरे द्वारा पहले की गई किसी भी चीज से भिन्न है, और मैं इसे हर किसी के सुनने का इंतजार नहीं कर सकती।

करीना कपूर की द क्रू की रिलीज डेट का ऐलान

एकता कपूर और रिया कपूर की फिल्म द क्रू काफी समय से चर्चा में है। यह एक कॉमेडी फिल्म है, जिसकी कहानी तीन महिलाओं पर आधारित है। फिल्म में करीना कपूर, कृति सैनन और तब्बू की तिकड़ी देखने को मिलेगी। हाल ही में फिल्म की शूटिंग खत्म होने की खबर आई थी। अब फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी।

फिल्म अपने कलाकारों की वजह से शुरू से ही चर्चा में है। निर्माता जोड़ी एकता और रिया कपूर ने 2018 की फिल्म वीरे दी वेडिंग के बाद फिर से हाथ मिलाया है। लोगों की दिलचस्पी का कारण करीना, कृति और तब्बू की साझेदारी भी है। पहली बार ये तीनों पर्दे पर एक साथ नजर आएंगी। इनके साथ गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ भी इस फिल्म में नजर आएंगे। ऐसे में हर किसी को फिल्म की रिलीज डेट जानने की उत्सुकता थी। रिपोर्ट्स के अनुसार, कपिल शर्मा भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वह इस फिल्म में एक अनोखी भूमिका निभाएंगे। ज्विगाटो के बाद अब वह इस फिल्म में दिखेंगे।

फिल्म में दिलजीत दोसांझ की एंट्री ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इसकी घोषणा करते हुए रिया ने कहा था, दिलजीत को कास्ट में शामिल करने के लिए हम रोमांचित हैं। यह फिल्म बहुत खास होने वाली है, यह आपके द्वारा पहले देखी गई किसी भी एंटरटेनर फिल्म से अलग होगी।

अपने एक्स पारस छाबड़ा को लेकर इमोशनल हुई आकांक्षा पुरी

बिग बॉस ओटीटी 2 के हालिया एपिसोड में कंटेंस्टेंट आकांक्षा पुरी ने जैद हदीद को बताया कि वह रिलेशनशिप में आने से क्यों डरती हैं। वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान शो के होस्ट सलमान खान ने अविनाश सचदेव के साथ बातचीत में जैद के खिलाफ झूठी कहानियां गढने के लिए आकांक्षा की आलोचना की, कि कैसे वह जैद के टच से असहज हो जाती हैं। इसके बाद जैद ने आकांक्षा पुरी से दूरी बनानी शुरू कर दी। हालांकि, आकांक्षा को जैद के साथ बातचीत करते हुए देखा गया और गलतफहमियां को दूर करने की कोशिश की। उन्होंने पारस छाबड़ा के साथ अपने पिछले रिश्ते के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह उनके साथ अपने खराब एक्सपीरियंस के चलते रिलेशनशिप में आने से डरने लगी हैं। उन्होंने कहा, मैंने आपको बताया था कि इस शो में मेरा एक अतीत था। मैं पार्टिसिपेट नहीं किया था, कोई और था जिसके साथ मैं उस समय थी और हम कभी अलग नहीं हुए। जब वह शो में आया तो पहले दिन से ही उसे कोई पसंद आने लगा, हमने कभी इसे बंद नहीं किया। लेकिन कुछ ऐसी बातें थीं, जो उन्होंने मुझे नीचा दिखाने के लिए, मेरा अनादर करने के लिए कही थीं और बहुत सी ऐसी बातें थीं जो उन्होंने नेशनल टेलीविजन पर कही थीं जो वास्तव में अच्छी नहीं थीं।

अब राजधानी की सड़क हादसों में आएगी कमी

राजधानी में तैयार हुआ गाड़ियों के लिए प्रदेश का पहला ऑटोमैटिक फिटनेस टेस्टिंग सेंटर

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। वाहनों के फिटनेस की जांच के लिए रायपुर में छत्तीसगढ़ का पहला ऑटोमेटिक फिटनेस टेस्टिंग सेंटर तैयार हो चुका है। इस सेंटर में अत्याधुनिक मशीनों से वाहनों की फिटनेस की जांच की जाएगी। सड़क हादसों को कम करने की दिशा में परिवहन विभाग की ओर से किए जा रहे प्रयासों की दिशा में इस सेंटर की स्थापना एक बड़ी उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप परिवहन विभाग की ओर से व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण के दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। परिवहन विभाग से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन किया गया है। ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन प्रमाण-पत्र को घर पहुंचा कर दिया जा रहा है। इस दिशा में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए ट्रांसपोर्ट गाड़ियों के फिटनेस निरीक्षण के कार्य को भी विभाग ऑटोमैटिक करने जा रहा है। इस संबंध में सचिव परिवहन एस प्रकाश ने बताया कि अब फिटनेस निरीक्षण का कार्य मानवीय हस्तक्षेप के बिना स्वचालित मशीन से किया जाएगा।

परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया कि ऑटोमेटेड फिटनेस सेंटर में मशीन से रोलर ब्रेक टेस्ट, एक्सल भार टेस्ट, सस्पेंशन टेस्ट, साइड स्लिप टेस्ट, जॉइंट प्ले टेस्ट, स्टीयरिंग गियर प्ले टेस्ट, स्पीडो मीटर टेस्ट, स्पीड गवर्नर टेस्ट, एग्जॉस्ट गैस टेस्ट और हेड लाइट टेस्ट किए जाएंगे। ट्रांसपोर्ट वाहन को 8 वर्ष की आयु से पूर्व प्रत्येक 2 वर्ष में फिटनेस प्रमाण निरीक्षण कराना होता है। 8 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसपोर्ट वाहन को प्रत्येक वर्ष फिटनेस निरीक्षण कराना होता है। यह नियम यात्री और माल वाहन दोनों के लिए होता है, जोकि यात्री या माल ले जाने के लिए कमर्शियल वाहन के रूप में प्रयुक्त होते हैं।

पूर्व में फिटनेस निरीक्षण का कार्य आरटीओ ऑफिस में इंस्पेक्टर की ओर से किया जाता रहा है। इंस्पेक्टर की ओर से अनुभव के आधार पर विजुवल इंस्पेक्शन करने के बाद फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी कर दिया जाता है। कई बार

ऐसी परिस्थिति में वाहन-मालिक इस जांच से संतुष्ट नहीं हो पाते हैं। अनफिट वाहन यदि रोड में चलते हैं तो उनसे एक्सीडेंट की आशंका बनी रहती है। ट्रांसपोर्ट वाहन से एक्सीडेंट होने से जान-माल की हानि ज़्यादा होती है। इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान रखते हुए हैवी गाड़ियों का फिटनेस 1 अप्रैल 2024 से ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटर से अनिवार्यतरू कराये जाने के लिए अधिसूचना जारी की गई है।

राज्य की ओर से ऑटोमोबाइल सेक्टर को गति देने के लिए स्क्रैपिंग नीति भी लाई गई है। इसके तहत पुरानी गाड़ी को स्क्रैपिंग कराने पर नई गाड़ी खरीदने के दौरान टैक्स में 25 प्रतिशत तक छूट मिलेगी। इस छूट का लाभ लेने के लिए पहले गाड़ी को ऑटोमैटिक फिटनेस सेंटर से निरीक्षण कराने के बाद रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग सेंटर में स्क्रैपिंग कराना होगा। स्क्रैपिंग कराने के बाद नई गाड़ी खरीदने के लिए टैक्स में छूट के लिए सर्टिफिकेट ऑफ डिपाजिट दिया जाएगा जिससे की छूट का लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त यदि 15 वर्ष से अधिक आयु की ट्रांसपोर्ट गाड़ी ऑटोमेटेड फ़िटनेस सेंटर के फ़िटनेस परीक्षण में फेल हो जाती है तो ऐसी गाड़ी का पंजीयन निरस्त कर दिया जाएगा।

हाईटेक कैमरा चेक करेगा आपके वाहन का परमिट-फिटनेस,नहीं होने पर सीधे चालान

राजधानी की सड़कों के साथ ही नेशनल हाईवे पर अब बिना फिटनेस और परमिट के चलने वाली गाडियों का पता चुटकियों में चल जाएगा। बिना परमिट या फिटनेस सर्टिफिकेट के वाहन चलाने वाले मालिकों पर सीधे जुर्माना किया जाएगा।

राजधानी की सुरक्षा व यातायात सुविधा के लिए चौक-चौराहों में लगे हाईटेक सुविधाओं वाले इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम कैमरे की तर्ज पर अब नेशनल हाईवे पर भी कैमरा स्टांल करने की तैयारी है। बताया जाता है कि कैमरा लगाते समय इनमें ऐसा साफ्टवेयर अपलोड किया जा रहा है जो गाड़ी का नंबर स्कैन करके यह पता लगा लेगा संबंधित वाहन का इंश्योरेंस, परमिट, फिटनेस ओके है अथवा नहीं। इसके अलावा संबंधित वाहन का टैक्स क्लीयर है अथवा नहीं। इसके बाद इसकी सूचना कंट्रोल रूम तक पहुंचेगी और फिर संबंधित वाहन मालिक को सीधे चालान भेजा जाएगा। बताया जाता है कि यह कैमरा शहरी क्षेत्रों में लगे सुरक्षा कैमरों से कई ज्यादा पॉवरफूल और एडवांस तकनीक का है। एनएच में लगने वाले ये सारे कैमरे सीधे आरटीओ साइट के कंट्रोल रूम से लिंक रहेगा। आरटीओ में बैठे कर्मचारी स्कैन होने वाले गाडियों के संबंध में पूरी जानकारी तत्काल देख सकेंगे ।

मुख्यमंत्री बघेल से मिले इंदिरा बैंक के घोटाले के पीड़ित खातेदार

मुख्यमंत्री ने कहा-घोटाले की दुबारा जांच करायी जाएगी

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। इंदिरा प्रियदर्शनी महिला नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड घोटाले की जांच पुनः प्रारंभ करवाने के लिए इंदिरा बैंक संघर्ष समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मिलकर धन्यवाद दिया। उन्होने कहा कि जांच पुनः प्रारंभ होने से न्याय की उम्मीद जगी है, ऐसा महसूस होने लगा है कि अब इंदिरा बैंक घोटाले के सभी जिम्मेदारों को उसकी सजा मिलेगी और उनके संरक्षणकर्त्ता राजनीतिक लोग भी इस जांच के दायरे में आएंगे। जनप्रतिनिधि होने के बावजूद यदि बैंक घोटाले में उनकी संलिप्तता पाई जाती है तो सजा मिलनी चाहिए।

इंदिरा बैंक संघर्ष समिति के संयोजक कन्हैया अग्रवाल, शैलेश श्रीवास्तव, शंकर सोनकर, नूरजहां, पुरषोत्तम शर्मा, सुरेश बाफना ने उत्काशय का बयान जारी करते हुए बताया की मुख्यमंत्री को सौंपे गये ज्ञापन में मांग की गई कि इंदिरा बैंक घोटाले की जांच के लिए पुलिस विभाग को समय अवधि निर्धारित की जावे ताकि निर्धारित समय में जांच पूरी हो सक । जांच के दायरे में जैसा कि न्यायालय ने आदेश किया है तत्कालीन मैनेजर उमेश सिन्हा के नारको टेस्ट में दिए गए बयानों के अनुरूप की जांच की जावे । इंदिरा बैंक को डुबाने वाले सहकारिता के जिम्मेदारों के खिलाफ भी जांच की जावे । इंदिरा बैंक घोटाले का मुख्य कारण बने फर्जी कंपनियों के संचालकों और उनके संरक्षकों के खिलाफ की कार्यवाही की जावे । घोटाले बाजों को ऋण स्वीकृति किस आधार पर मिली फर्जी एफडीआर कैसे जारी हुए इन सब की भी जांच हो और जिम्मेदारों को इसकी सजा मिले । एक विनम्र निवेदन खातेदारों की जमा पूंजी आपके आदेश से घोटाले बाजों से वसूली करके वापस दिलाई जाए।

संघर्ष समिति ने कहा कि हम सबको विश्वास हैं जैसा कि आपने चिटफंड कंपनियों के मामले में जांच और कार्यवाही की है, भुगतान प्रारंभ कराया है निश्चित रूप से इंदिरा बैंक घोटाले के मामले में भी आप के आदेश पर कार्रवाई अवश्य होगी । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इंदिरा बैंक के संबंधित जानकारिया ङ्क दस्तावेज देते हुए खाता धारको नें बैंक घोटाले के अभियुक्तों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की । मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमण्डल को आश्वस्त किया की खाते धारकों की जमा पूंजी का गबन करने वाले और उनके संरक्षणकर्ता बख्शे नहीं जायेगें , उनसे राशि वसूल की जावेगी।

आम जनता को मिलेगा 500 रुपए में सिलेंडर! बघेल ने दिए ये संकेत

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में भी आम जनता को 500 रुपए में सिलेंडर मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसको लेकर संकेत दे दिया है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान में किया गया है, कुछ तो घोषणा के लिये रखना पड़ेगा। घोषणा समिति में सब आएगा। इससे साफ़ जाहिर है कि विधानसभा चुनाव में जीत के बाद जब दोबारा कांग्रेस की सरकार आएगी तो जनता को 500 रुपए में सिलेंडर मिल सकता है।

गुरु पूर्णिमा के मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपने राजनीतिक गुरु के बारे में कहा कि मेरे राजनीति गुरु वासुदेव चंद्राकर जी थे, वो बड़े कद्दावर नेता थे। उसके बाद चंदूलाल चंद्राकर जी रहे। बाद में दिग्विजय सिंह का सानिध्य मिला। आम कार्यकर्ता से ही अब सीखने को मिलता है। महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिविधि को लेकर सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि सेंट्रल एजेंसियों के माध्यम से पहले शिवसेना की तोड़ा गया और अब एनसीपी को तोड़ा गया है। कुछ दिन पहले ही एनसीपी के नेता के यहां छापा पड़ा। जैसे ही वो पार्टी छोड़कर आए, मंत्रिमंडल में जगह मिल गई।

वाशिंग मशीन में कुछ और लोग धूल गये। मंत्री बनने के बाद सारे पाप धूल गये। ऐसा लंबा फ़ेहरिस्त है, सारे नेता पहले बीजेपी के टारगेट में थे, जैसे ही बीजेपी में आये वो धूल गये। इस प्रकार से सेंट्रल एजेंसी के माध्यम से लोकतंत्र का गाला घोटा जा रहा है।

किडनी के मरीजों के लिए राज्य के 27 जिला अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। स्वास्थ्य सेवाओं के लगातार विस्तार से अब राज्य के 27 जिला चिकित्सालयों में डायलिसिस की सुविधा विकसित कर ली गई है। इससे किडनी रोगों से पीड़ितों को अब उनके जिला मुख्यालय में ही निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा मिल रही है। प्रदेश के दूरस्थ अंचलों के मरीजों को अब डायलिसिस के लिए बड़े शहरों का रूख नहीं करना पड़ रहा है। किडनी संबंधी रोग से ग्रस्त मरीज को लंबे समय तक बार-बार डायलिसिस कराना पड़ता है। इससे उन पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ता है। स्थानीय स्तर पर ही निःशुल्क डायलिसिस की सुविधा मिलने से अब इसके मरीजों को बड़ी राहत मिली है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री टी.एस. सिंहदेव की पहल पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम 'जीवन धारा' और जिला खनिज न्यास निधि से राज्य के 27 जिला मुख्यालयों तथा देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस की सुविधा प्रारंभ की जा चुकी है। 'जीवन धारा' के अंतर्गत दुर्ग, कांकेर, बिलासपुर, महासमुंद, कोरबा, सरगुजा, जशपुर, बीजापुर, रायपुर, जांजगीर, जगदलपुर, गरियाबंद, मुंगेली, धमतरी, बलौदाबाजार, बैकुंठपुर, सूरजपुर, कवर्धा, राजनांदगांव, बालोद, बेमेतरा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही एवं सुकमा जिला चिकित्सालय तथा देवभोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डायलिसिस की सुविधा प्रदान की जा रही है।

इन 24 अस्पतालों में कुल 106 डायलिसिस मशीनें स्थापित की गई हैं जहां अब तक 87 हजार 321 डायलिसिस सेशन किए जा चुके हैं। पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में इन अस्पतालों में किडनी रोगों से जूझ रहे मरीजों के कुल 46 हजार 679 डायलिसिस सेशन किए गए हैं। प्रदेश के चार अन्य जिला अस्पतालों दंतेवाड़ा, बलरामपुर, रायगढ़ और कोंडागांव में जिला खनिज न्यास निधि से डायलिसिस की मशीनें स्थापित कर यह सुविधा प्रदान की जा रही है। दंतेवाड़ा में चार, बलरामपुर और रायगढ़ में तीन-तीन तथा कोण्डागांव में एक डायलिसिस मशीन संचालित है।

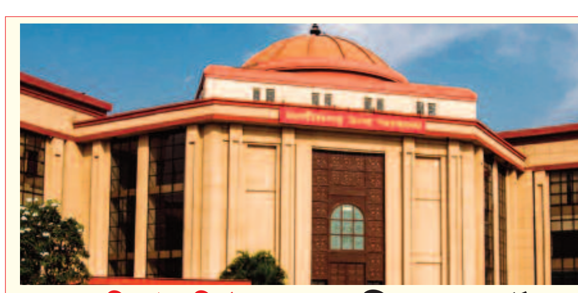

हाईकोर्ट ने नगर निगम और महापौर को जारी किया नोटिस

बिलासपुर,03 जुलाई 2023 (ए)। धमतरी में निजी जमीन का मुआवजा दिए बिना सड़क बनाने की कोशिश करने के मामले में सोमवार को हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता की मांग पर स्टे दे दिया है. साथ ही निगम को मामले पर अगले आदेश तक यथास्थिति बरकरार रखने का निर्देश दिया है यानी जो सड़क जबरन बनाई जा रही थी, उस पर रोक लगा दी गई है. साथ ही कोर्ट ने नगर निगम के अधिकारियों और महापौर को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. कोर्ट ने नजूल राजस्व अधिकारी से सीमांकन कराने का भी आदेश जारी किया है.

धमतरी नगर निगम क्षेत्र में रहने वाली कुमारी उरमाल मुंजवानी की जमीन सुभाष नगर कांटा तालाब के पास है. नगर निगम धमतरी ने इस पर सड़क बनाने की कवायद शुरू कर दी है. नगर निगम धमतरी की ओर से निजी जमीन पर अवैध और गैरकानूनी रूप से कब्जा कर ट्रैक्टर व जेसीबी का इस्तेमाल करते हुए सड़क निर्माण करना शुरू कर दिया है. इस मामले की जानकारी लगते ही उरमाल मुंजवानी ने निगम को रोकने का प्रयास किया, लेकिन निगम नहीं माना. इस पर उरमाल मुंजवानी ने एडवोकेट आरएस पटेल के माध्यम से हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिस पर सोमवार को सुनवाई हुई और स्टे आर्डर दिया गया.

राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर पलटा डीजल से भरा टैंकर

» लूटने मची होड़,बर्तन से लेकर डिब्बा भर-भरकर भागे लोग

जगदलपुर ,03 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में बस्तर के कोड़ेनार इलाके में डीजल से भरा टैंकर पलट गया। टैंकर पलटने से नेशनल हाइवे 30 पर हजारों लीटर डीजल बह गया। वहीं जैसे ही लोगों ने सड़क पर डीजल बहते देखा डीजल लूटने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। अब इस डीजल लूट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि इस हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। इससे बड़ा हादसा टल गया। इस घटना से नेशनल हाइवे में घंटो तक जाम लगा रहा।

बताया जा रहा है कि, कल दुर्ग से निकला एक डीजल टैंकर गीदम की ओर जाने के लिए निकला। टैंकर जैसे ही कोड़ेनार थाना क्षेत्र से लोहड़ीगुड़ा की ओर जाने वाले मार्ग माटापारा के पास पहुंचा, वहां टैंकर पर से ड्राइवर का नियंत्रण बिगड़ गया, जिसके कारण ये पलट गया। डीजल टैंकर का ढक्कन खुलने से डीजल बाहर बहने लगा। इसे देख खेत में काम कर रहे ग्रामीणों ने सभी को सूचना दे दी। कुछ ही देर में ग्रामीण अपने साथ बर्तन से लेकर डब्बा लेकर आ पहुंचे। जिसके हाथ जितना डीजल लगा वो उतना लूटकर भाग निकला। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर वहां कुछ ग्रामीण दिखे, लेकिन तब तक आधा से ज्यादा डीजल खेत से लेकर सड़क पर फैल गया था। वहीं इस घटना से एक बड़ी दुर्घटना होने से बाल बाल बच गया।

माशिमं ने पुनर्मूल्यांकन का नतीजा किया जारी

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी मुख्य परीक्षा 2023 के पुनर्गणना/ पुनर्मूल्यांकन का नतीजा जारी कर दिया गया है।

माशिमं द्वारा इसके परिणाम विभागीय वेबसाईड पर अपलोड कर दिया गया है। परीक्षार्थी माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट सीजीबीएसई डॉट एनआईसी डॉट इन में अपना रोल नंबर इंटर कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। ज्ञात हो कि माशिमं ने बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी करने के बाद प्राप्त अंकों से असंतुष्ट विद्यार्थियों के लिए पुर्नमूल्यांकन और पुर्नगणना के लिए आवेदन लिया था। पुनः जांच व अंकों के मिलान के बाद अब फाइनल परिणाम जारी कर दिया गया है।

छत्तीसगढ़ में पर्यवेक्षकों के 440 रिक्त पदों पर होगी भर्ती

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर बड़ी संख्या में शासकीय नौकरियों में युवाओं की भर्ती की जा रही हैं। इसी कड़ी में राज्य सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पर्यवेक्षक (सुपरवाईजर) के 440 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।बता दें कि इन रिक्त पदों पर नियुक्ति छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल, रायपुर

द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के माध्यम से की जाएगी।पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा के लिए केवल छत्तीसगढ़ की मूल निवासी महिला उम्मीदवार ही पात्र होंगी। परीक्षा खुली सीधी भर्ती और परिसीमित सीधी भर्ती के माध्यम से ली जाएगी।

खुली सीधी भर्ती के लिए कुल 220 पद हैं, जिसमें सभी वर्गों की महिलाएं आवेदन कर सकती है। इसी तरह परिसीमित सीधी भर्ती में भी 220 पद हैं, जिसमें कार्यरत पात्र आंगनबाड़ी कार्यकर्ता आवेदन कर सकेंगी।

---

30 से अधिक आदिवासी ने ली कांग्रेस की सदस्यता

» मंत्री कवासी लखमा ने गमझा पहनाकर करवाया पार्टी में प्रवेश

रायपुर,03 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने सोमवार को अपने निवास में 30 से अधिक लोगों को कांग्रेस प्रवेश करवाया है। मंत्री लखमा ने गमझा और माला पहनाकर लोगों का कांग्रेस में स्वागत किया। इसके बाद कवासी लखमा ने मीडिया से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर तंज कसा है। श्री लखमा ने कहा कि, पीएम मोदी बीजेपी को जीत दिलाने नहीं हराने के लिए आ रहे हैं।

दरअसल, आज मंत्री कवासी लखमा ने अपने रायपुर निवास में गायत्री परिवार के आदिवासियों को कांग्रेस ज्वाइन करवाया है। ये सभी आदिवासी सुकमा के हैं।

मंत्री लखमा ने कांग्रेस का गमझा पहनाकर सभी का स्वागत किया। कांग्रेस प्रवेश करने वाले ये सभी आदिवासी कोंटा विधानसभा क्रमांक 90 के हैं। लगभग 31 लोगों ने कांग्रेस प्रवेश किया है।

मोदी चुनाव वाले प्रधानमंत्री हैं, विकास वाले नहीं

इस दौरान श्री लखमा ने प्रधानमंत्री मोदी के दौरे को लेकर कहा कि, देश के प्रधानमंत्री है। छत्तीसगढ़ में आना ही चाहिए , लेकिन 4 साल क्यों नहीं आए। 4 साल में छत्तीसगढ़ हमारे देश का हिस्सा है। 4 साल पहले आकर विकास की बात करते, फैक्ट्री खोलने की बात करते, रोजगार देने की बात करते। ये चुनाव वाले प्रधानमंत्री हैं, विकास वाले प्रधानमंत्री नहीं है। केंद्रीय मंत्री आते हैं सिर्फ धर्मांतरण की बात करते हैं। विकास की बात बताने वाले धर्मांतरण की बात करते हैं। कांग्रेसी ऐसा काम नहीं करते।

जेपी नड्डा अपना प्रदेश नहीं बचा पाए

जेपी नड्डा अपना प्रदेश नहीं बचा पाए, हिन्दुवासी प्रदेश है उन्हें नहीं बचा पाए। पीएम मोदी जीत के लिए नहीं भाजपा को हराने के लिए आ रहे हैं। आज मोदी ने सब चीज में जीएसटी लगा दी है। अमित शाह को चुनाव में प्रदेश की जिम्मेदारी मिलने पर कवासी लखमा ने कहा कि भाजपा को बजरंगबली ने लात मारी। भगवान भी उनके साथ नहीं है तो जनता कहां उनके साथ रहेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)